कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ स्थापना

रिपोर्ट

शुक्रवार, दिनांक 12 नवंबर 2021

स्वर्ण जयन्ती सभागार

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय

(केन्द्रीय विश्वविद्यालय)

सागर (म.प्र.) 470003

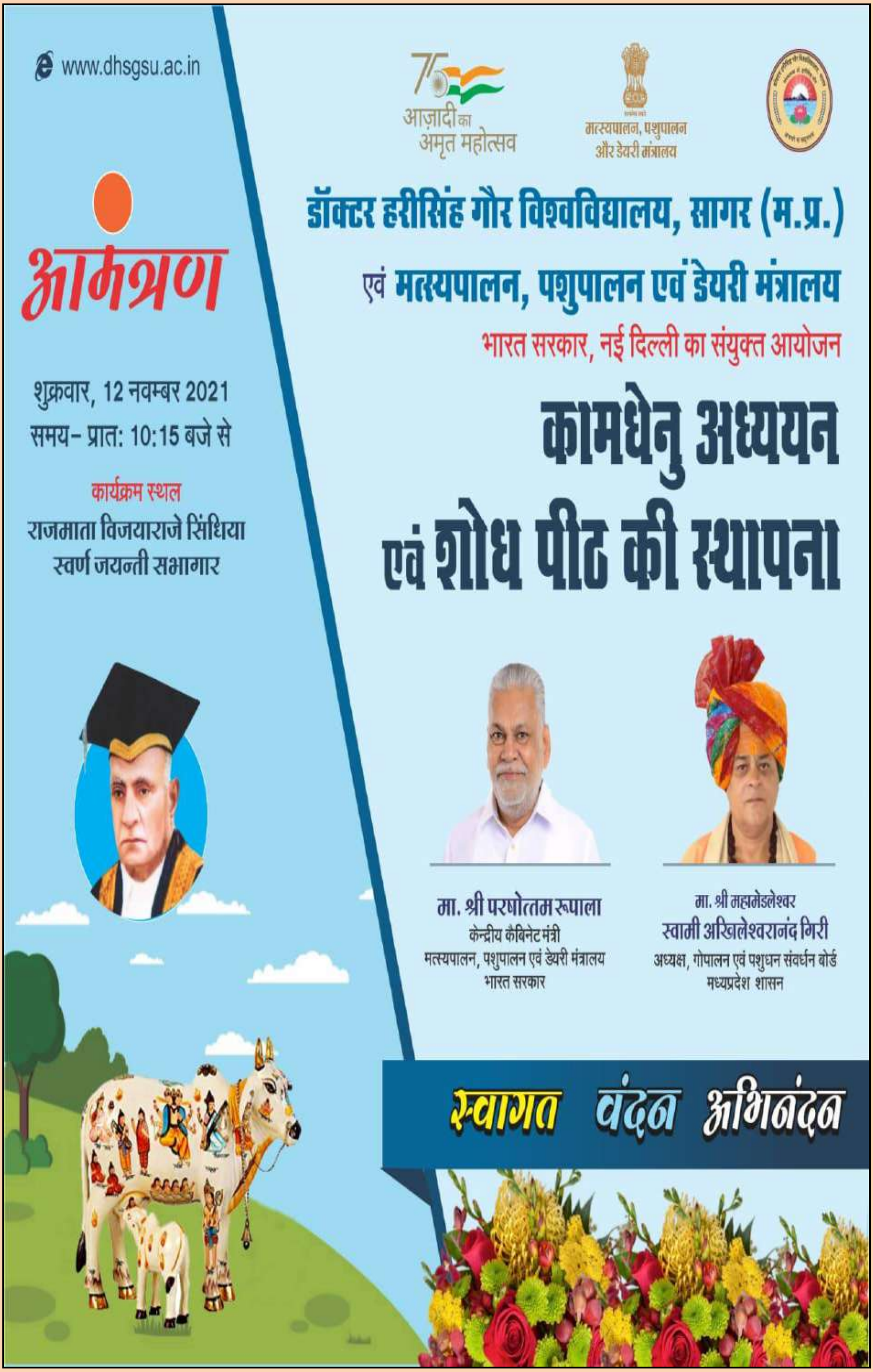
www.dhsgsu.ac.in
आज़ादी का अमृत महोत्सव
मत्स्यपालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय
आमंत्रण
शुक्रवार, 12 नवम्बर 2021
समय- प्रात: 10:15 बजे से
कार्यक्रम स्थल
राजमाता विजयाराजे सिंधिया स्वर्ण जयन्ती सभागार
डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
एवं मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय
भारत सरकार, नई दिल्ली का संयुक्त आयोजन
कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना
मा. श्री परषोत्तम रूपाला
केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री
मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय
भारत सरकार
मा. श्री महामंडलेश्वर
स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी
अध्यक्ष, गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड
मध्यप्रदेश शासन
स्वागत वंदन अभिनंदन

कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ स्थापना

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (मध्य प्रदेश) में मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से दिनांक 12 नवंबर 2021 को कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना की गई. माननीया कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित पीठ स्थापना कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार श्रीमान् परषोत्तम रूपाला जी थे.

कार्यक्रम की अध्यक्षता गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड, मध्य प्रदेश शासन के अध्यक्ष श्रीमान् स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी जी ने की. इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री श्रीमान् डॉ. वल्लभभाई कथीरिया जी, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति श्रीमान् प्रो.बलवंतराय शांतीलाल जानी जी, सागर लोकसभा क्षेत्र के सांसद श्रीमान् राजबहादुर सिंह जी और सागर विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्रीमान् शैलेन्द्र जैन जी उपस्थित थे.

कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ को वृहद् उद्देश्यों के साथ स्थापित किया गया है. मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से स्थापित की गई यह पीठ सागर सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों और समग्रता में बुंदेलखंड के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा. इसके उद्देश्यों में वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन और पशुधन संरक्षण के तौर-तरीकों, गौ पालन के प्रति उच्च शिक्षा से जुड़े हुए युवाओं को आकर्षित करने और शिक्षित करने, प्रकृति और प्राकृतिक चीजों के प्रति लोगों को संजीदा बनाने जैसे व्यापक उद्देश्य शामिल हैं. साथ ही पंचगव्य, गोबर, गौमूत्र आदि पर अनुसंधान एवं इसकी स्थिरता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा. हमारी युवा पीढ़ी और महिलाएँ, जो लगातार गौ सेवा कर रहे हैं, पीठ के माध्यम से उनके लिए जागरूकता अभियान कार्यक्रम भी संचालित किये जाएंगे.

निबंध, वार्ता, कार्यशाला, प्रदर्शनी, संगोष्ठी, शोध एवं शोधवृत्ति, अल्पावधि एवं पूर्णकालिक सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों एवं अन्य अकादमिक गतिविधियों के माध्यम से नई पीढ़ी को गौ-आधारित आर्थिकी में उद्यमिता और रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने का कार्य किया जाएगा. अन्य कई गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए देशी गाय के वैज्ञानिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और अध्यात्मिक महत्त्व से लोगों को अवगत कराया जाएगा. गावों की महिलाओं और युवाओं में उद्यमिता विकास के माध्यम से उनकी आर्थिक संबलता के दृष्टिकोण से भी यह पीठ काफी महत्त्वपूर्ण साबित होगा.

कामधेनु पीठ स्थापना कार्यक्रम में पधारे गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के नवनिर्मित महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण योग-संगीत की प्रस्तुति के साथ संपन्न हुआ.

गौ संवर्धन का विशिष्ट वैश्विक केंद्र बने डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय : परषोत्तम रुपाला

सागर. 12 नवंबर. डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना कार्यक्रम संपन्न हुआ. इस अवसर पर पारम्परिक बुंदेली बाद्ययन्त्रों और लोकाचार से अतिथियों का स्वागत किया गया. मुख्य अतिथि केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार श्री परषोत्तम रूपाला ने कहा कि यह गर्व की बात है कि विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन और अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय ने मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के साथ समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किया है. भारतीय गायों की क्षमता अपार है, जरुरत इसे समझने और समझाने की है. दुग्ध उत्पादन, खाद उत्पादन और विभिन्न औषधीय उपयोगों सहित गायों के महत्व को कई पहलुओं को हम बचपन से जानते हैं. दुर्भाग्य से, समय के साथ हम देशी गोवंश का महत्व भूल गए हैं.

भारतीय परम्परा में समृद्धि की गणना गोधन से ही की जाती थी. यह एक पारंपरिक धन है जो हमें स्वाभाविक ढंग से चतुर्दिक समृद्धि की ओर ले जा सकती है. विश्वविद्यालय को चाहिए कि छात्रों के हॉस्टल की ही तर्ज़ पर गायों के आश्रय के लिए भी एक बड़े केंद्र की स्थापना करे. हमारा मंत्रालय और मैं व्यक्तिगत तौर पर भी इसमें सहयोग करने को तैयार हूँ.

उन्होंने कहा कि गाय ब्रह्माण्ड का मूल आधार है. जिससे संबंधित सभी उत्पाद मनुष्य के मन, तन और धन को प्रखर कर देते हैं. इसलिए हमारा यह सौभाग्य है कि हमारे जीवन और समाज की सभी अनुष्ठानों में गाय की भूमिका और आशीर्वाद स्वाभाविक रूप से उपलब्ध है. यहाँ से यह संदेश जाना चाहिए कि हम अपने जीवन और कर्म में गौ-स्नेह को नये रूप में पुनर्स्थापित कर सकें.

उन्होंने कहा कि गौवंश, गौमूत्र आदि से होने वाली आय पर गौशाला आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती है. आज का समय ऐसे मॉडल को विकसित और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है. कोरोना संकट की तमाम मुश्किलों के साथ इसने हमें यह सिखाया है कि स्वस्थ और सुरक्षित रहने के लिए हमें गौमाता की ही शरण में जाना होगा. विश्वविद्यालय इस शरण को एक व्यापक क्रान्ति में बदल सके, ऐसा प्रयत्न इसे करना चाहिए. इसके लिए विश्वविद्यालय कई आयामों और उद्देश्यों के प्रोजेक्ट और वित्त संबंधी प्रस्तावों को मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत करे. मंत्रालय निश्चित रूप से इस योजना में विश्वविद्यालय की मदद करेगा.

कामधेनु पीठ 'वोकल फॉर लोकल' का मूर्तिमान स्वरुप है : प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलपति प्रो, नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य देते अतिथि अतिथियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और पीठ स्थापित करने में मंत्रालय के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया. उन्होंने कहा कि यह एक गौरवशाली एवं ऐतिहासिक क्षण है जहाँ विश्वविद्यालय अपने अकादमिक सरोकारों के अतिरिक्त सामुदायिक सेवा की अपनी प्रतिबद्धता को संस्थानीकरण

करते हुए मूर्त रूप देने जा रहा है. मुझे हर्ष है कि हमारी इस पहल को माननीय केन्द्रीय मंत्री जी के नेतृत्व में उनके सम्पूर्ण विभाग ने तत्परता और प्राथमिकता के साथ स्वीकार किया .

उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की यह नवाचारी पहल 'वोकल फॉर लोकल' से अनुप्राणित है. यह एक ऐसा रास्ता है जिससे न केवल विश्वविद्यालय बल्कि समाज और राष्ट्र भी आत्मनिर्भर बनने की आयोजना को वास्तविक अर्थों में की साकार कर सकेगें. 21 वीं सदी की पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसके लिए हमें न सिर्फ मार्ग सुझाती है बल्कि संरचना और अवसर भी उपलब्ध कराती है, जहाँ हम इस समुदाय आधारित ज्ञान एवं विज्ञान की ऐतिहासिक समृद्धि को पुनः समझें. यह भी एक सुखद संयोग है कि डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है और मध्यप्रदेश के पहले 'कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ' की स्थापना भी इसी विश्वविद्यालय में हो रहा है. यह एक ऐसा मणिकांचन योग है जिसकी अनुगूँज बहुत दूर तक जायेगी. उन्होंने कहा कि गो-संवर्धन के क्षेत्र में मंत्रालय की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं को इस पीठ के माध्यम से हमारा विश्वविद्यालय अपने स्तर पर क्रियान्वित कर एक व्यापक सामुदायिक क्रांति में बदलने के लिए संकल्पित है. इसके लिए हमारे पास आधुनिक तकनीकि और सुविधाओं से युक्त प्रयोगशालाएँ हैं तो वहीं स्थानीय स्तर पर दयोदय गौशाला जैसा श्रेष्ठ उदाहरण मौजूद हैं. उनके अनुभवों से हमें इस दिशा में कुछ ठोस और श्रेष्ठ करने में सहायता मिलेगी.

विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया ने कहा कि यह एक सुअवसर है कि गौआधारित अर्थव्यवस्था की शुरुआत हो रही है. एक समय में माननीय मालवीय जी ने विश्वविद्यालय में गौशाला स्थापित करने की शुरुआत की थी. आज भी यह काम विश्वविद्यालय के माध्यम से किया जा रहा है. यह एक महान काम है. आज पूरे विश्व में पैराडाइम शिफ्ट हो रहा है. विश्व के फलक पर भारतीय संस्कृति अपना विस्तार कर रही है. यह पर्यावरण फ्रेंडली की दिशा में बढ़ाया गया एक कदम भी है. गौ संवर्धन की दिशा में आज एक नया अध्याय जुड़ रहा है.

कामधेनु पीठ बनेगा देश के लिए प्रतिमान : महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड, मध्य प्रदेश शासन के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी ने कहा कि मध्य प्रदेश सर्वाधिक गौ प्रेमी और गौ सेवकों का प्रदेश है. मध्य प्रदेश गौ संवर्धन आयोग के साथ मिलकर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में विश्व की सबसे बड़ी गौशाला स्थापित की जा सकती है. कामधेनु पीठ इस अर्थ में एक शुभ कदम है. मैं विश्वास करता हूँ कि यह पीठ देश के एक प्रतिमान बने जहां गौधन संवर्धन के लिए वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन-अध्यापन हो सकेगा. आने वाला

समय पञ्च गव्य की आर्थिकी का है जिसके द्वारा हमारा समाज आत्मनिर्भर बन सकेगा. मध्य प्रदेश गो संवर्धन आयोग इस हेतु विशाविद्यालय का हर संभव मदद देने का आश्वासन देता है.

कामधेनु शोध पीठ स्थापित होना एक सांस्कृतिक घटना: कुलाधिपति

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो.बलवंतराय शांतीलाल जानी ने कहा कि यह शोध पीठ स्थापित होना एक सांस्कृतिक घटना है. यह नए भारत का निदर्शन है कि एक मंत्रालय का पूरा अमला अपने मुखिया के साथ एक विश्वविद्यालय में उपस्थित है. यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सुफल है कि संस्थाओं के साथ-साथ लोगों के बीच भी इस तरह के नवाचारी विचार पनप रहे हैं जो भारतीयता एवं राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत है. परम वैभवशाली राष्ट्र निर्माण की राह गौ-माता के प्रति हमारी आस्था से होकर जाती है. हमें ख़ुशी है कि विश्यविद्यालय इस राह का अन्वेषक बन रहा है.

सागर लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजबहादुर सिंह ने कहा कि पीठ स्थापना के लिए आज हुए समझौता हस्ताक्षर के लिए विश्वविद्यालय को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ. उन्होंने भारत सरकार को इस पुनीत कार्य के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि गाय का महत्त्व बढ़ाने के लिए बहुत ही सुयोग्य विश्वविद्यालय का चयन किया गया है. जिस गाय को हम भगवान् का दर्जा देते हैं मुझे विश्वास है उसके लिए यह पीठ बेहतर कार्य कर सकेगी.

सागर विधानसभा क्षेत्र के विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय में कामधेनु पीठ की स्थापना गोवंश के संरक्षण की दिशा में एक क्रांतिकारी अकादमिक पहल है. इससे बुंदेलखंड में पारंपरिक रूप से गोवंश के रूप में विद्यमान ज्ञान को प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक स्तर पर सब तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी.

इस अवसर पर कार्यक्रम की नोडल अधिकारी प्रो. अर्चना पाण्डेय ने कामधेनु पीठ के उद्देश्यों एवं भविष्य की योजनाओं की प्रस्तुति देते हुए बताया कि यह पीठ सागर सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों और समग्रता में बुंदेलखंड के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा जिसमें वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन और पशुधन संरक्षण के तौर-तरीकों, गौ पालन के प्रति उच्च शिक्षा से जुड़े हुए युवाओं

को आकर्षित करने और शिक्षित करने, प्रकृति और प्राकृतिक चीजों के प्रति लोगों को संजीदा बनाने जैसे व्यापक उद्देश्य के साथ कार्य करते हुए पंचगव्य, गोबर, गौमूत्र आदि पर अनुसंधान किया जाएगा.

मंत्रालय और विश्वविद्यालय के बीच हुआ एमओयू

इस अवसर पर मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय के बीच एमओयू भी हुआ. कामधेनु पीठ द्वारा संचालित की जाने वाली गतिविधियों के संबंध में मंत्रालय और विश्वविद्यालय की भूमिका को लेकर समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर हुए. विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने और मंत्रालय प्रतिनिधि संयुक्त सचिव ओ. पी. चौधरी ने समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किये.

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया. कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने मंचासीन अतिथियों सहित कार्यक्रम में पधारे लोगों का आभार व्यक्त किया. डॉ राकेश सोनी के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा बरेदी नृत्य की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ. कार्यक्रम में सागर के सम्माननीय जनप्रतिनिधि, नागरिक गण, मीडियाकर्मी बंधु और विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त और सेवारत शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे.

कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ स्थापना

समय	कार्यक्रम विवरण
09: 30 AM	महर्षि पतंजलि भवन (उर्दू, योग एवं संगीत विभाग) का लोकार्पण डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
कार्यक्रम स्थल : स्वर्ण जयंती सभागार	
10:00-10:05 AM	दीप प्रज्ज्वलन, माल्यार्पण एवं अतिथि स्वागत
10:05-10:15 AM	स्वागत उद्बोधन माननीया प्रो. नीलिमा गुप्ता कुलपति, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
10:15-10:20 AM	डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर एवं मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली के मध्य अकादमिक समझौता पत्रक (एम.ओ.यू.) पर हस्ताक्षर मान.कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता एवं श्री ओपी चौधरी, संयुक्त सचिव, मंत्रालय प्रतिनिधि के हस्ताक्षर
10:20-10:25 AM	कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ का परिचय प्रो. अर्चना पाण्डेय, कार्यक्रम नोडल अधिकारी, कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ
10:25-10:35 AM	विशिष्ट अतिथि उद्बोधन माननीय श्री शैलेन्द्र जैन जी विधानसभा सदस्य, सागर विधानसभा क्षेत्र (म.प्र.)
10:35-10:45 AM	विशिष्ट अतिथि उद्बोधन माननीय श्री राजबहादुर सिंह जी संसद सदस्य, सागर लोकसभा क्षेत्र (म.प्र.)
10:45-10:55 AM	विशिष्ट अतिथि उद्बोधन माननीय प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी कुलाधिपति, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)
10:55-11:05 AM	विशिष्ट अतिथि उद्बोधन माननीय डॉ. वल्लभभाई कथीरिया जी अध्यक्ष, राष्ट्रीय कामधेनु आयोग एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री, भारत सरकार, नई दिल्ली
11:05-11:25 AM	मुख्य अतिथि उद्बोधन माननीय श्री परषोत्तम रुपाला जी केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री , मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार, नई दिल्ली
11:25-11:40 AM	अध्यक्षीय उद्बोधन माननीय महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वारानंद गिरि अध्यक्ष, गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड , मध्य प्रदेश शासन, भोपाल
11:40-11:50 AM	मंचासीन अतिथियों का सत्कार
11:50-11:55 AM	आभार ज्ञापन श्री संतोष सोहगौरा , कुलसचिव, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर
11:55-12:00 PM	सांस्कृतिक कार्यक्रम- बुन्देली लोकनृत्य (बरेदी)
12:00 PM	राष्ट्र-गान
कार्यक्रम सञ्चालन: डॉ. आशुतोष	

फोटो गैलरी

कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना

Press Clippings of the Program

Tripuri Times Hindi News Paper   Date 13 Nov 2021 Page No. 08/02

देश के पहले कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ का शुभारंभ

गौ संवर्धन का विशिष्ट वैश्विक केंद्र बने विश्वविद्यालय : केन्द्रीय मंत्री रुपाला

त्रिपुरी टाइम्स • सागर
www.tripuritimes.com

हमारे देश में गाय को मां तो माना जाता है। उसके भीतर 33 कोटि देवताओं की भी बात कही जाती है। लेकिन गाय की उचित देखरेख और संरक्षण बड़ी आवश्यकता है। गौ सेवा गौशाला तक सीमित न रहकर, लेकिन अब हमें को अभयारण्य की तरफ चलना है। जहां गाय मुख्य रूप से वनों में रहकर, अपना नैसर्गिक जीवन यापन कर सके। यह विचार कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मध्य प्रदेश शासन के गोपालन और पशु संवर्धन बोर्ड के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वर आनंद गिरि महाराज ने व्यक्त किए। शुक्रवार को डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में

कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना कार्यक्रम संपन्न हुआ. इस अवसर पर पारम्परिक बुंदेली वाद्ययन्त्रों और लोकाचार से किया अतिथियों का स्वागत किया गया. मुख्य अतिथि केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार श्री पुरषोत्तम रूपाला ने कहा कि यह गर्व की बात है कि विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन और अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय ने मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के साथ समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किया है. भारतीय गायों की क्षमता अपार है, जरुरत इसे समझने और समझाने की है. दुग्ध उत्पादन, खाद उत्पादन और विभिन्न औषधीय उपयोगों सहित गायों के महत्व को कई पहलुओं को हम बचपन से जानते हैं. दुर्भाग्य से, समय के साथ हम देशी गोवंश का महत्व भूल गए हैं. भारतीय परम्परा में समृद्धि की गणना गोधन से ही की जाती थी. यह एक पारंपरिक धन है जो हमें स्वाभाविक ढंग से चतुर्दिक समृद्धि की ओर ले जा सकती है. विश्वविद्यालय को चाहिए कि छात्रों के हॉस्टल की ही तर्ज पर गायों के आश्रय के लिए भी एक बड़े केंद्र की स्थापना करे. हमारा मंत्रालय और मैं व्यक्तिगत तौर पर भी इसमें सहयोग करने को तैयार हूँ. उन्होंने कहा कि गाय ब्रह्माण्ड का मूल आधार है. जिससे संबंधित सभी उत्पाद मनुष्य के मन, तन और धन को प्रखर कर देते हैं. इसलिए हमारा यह सौभाग्य है कि हमारे जीवन और समाज की सभी अनुष्ठानों में गाय की भूमिका और आशीर्वाद स्वाभाविक रूप से उपलब्ध है. यहाँ से यह संदेश जाना चाहिए कि हम अपने जीवन और कर्म में गौ-स्नेह को नये रूप में पुनर्स्थापित कर सकें. उन्होंने कहा कि गौवंश, गौमूत्र आदि से होने वाली आय पर गौशाला आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती है. आज का समय ऐसे मॉडल को विकसित और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है. कोरोना संकट की तमाम मुश्किलों के साथ इसने हमें यह सिखाया है कि स्वस्थ और सुरक्षित रहने के लिए हमें गौमाता की ही शरण में जाना होगा. विश्वविद्यालय इस शरण को एक व्यापक क्रान्ति में बदल सके, ऐसा प्रयत्न इसे करना चाहिए. इसके लिए विश्वविद्यालय कई आयामों और उद्देश्यों के प्रोजेक्ट और वित्त संबंधी प्रस्तावों को मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत करे. मंत्रालय निश्चित रूप से इस योजना में विश्वविद्यालय की मदद करेगा।

कामधेनु पीठ बनेगा देश के लिए प्रतिमान : स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड, मध्य प्रदेश शासन के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी ने बताया, कि मध्य प्रदेश सर्वाधिक गौ प्रेमी और गौ सेवकों का प्रदेश है। मध्य प्रदेश गौ संवर्धन आयोग के साथ मिलकर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में विश्व की सबसे बड़ी गौशाला स्थापित की जा सकती है। कामधेनु पीठ इस अर्थ में एक अच्छा कदम है। आशा है यह पीठ, देश में एक केंद्र बने जहां गौधन संवर्धन के लिए वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन-अध्यापन-प्रशिक्षण हो सकेगा। आने वाला समय पञ्च गव्य की अर्थतंत्र का है। जिससे हमारा समाज आत्मनिर्भर बन सकेगा। मध्य प्रदेश गो संवर्धन आयोग इस हेतु विश्वविद्यालय का हर संभव मदद देने का आश्वासन देता है। गोपाष्टमी के पावन पर्व पर इस शोध पीठ का शुभारंभ हो रहा है। हमारा देश एक बार फिर गोसेवा गौ संवर्धन के रास्ते पर चलकर, अपने पुरातन वैभव को हासिल करने के लिए कदम बढ़ा रहा है।

गौ संवर्धन की दिशा में नया अध्याय जुड़ रहा : कथीरिया

विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया ने कहा कि यह एक सुअवसर है कि गौ आधारित अर्थव्यवस्था की शुरूआत हो रही है। एक समय में माननीय मालवीय जी ने विश्वविद्यालय में गौशाला स्थापित करने की शुरुआत की थी। आज भी यह काम विश्वविद्यालय के माध्यम से किया जा रहा है। यह एक महान काम है। आज पूरे विश्व में पैराडाइम शिफ्ट हो रहा है। विश्व के फलक पर भारतीय संस्कृति अपना विस्तार कर रही है। यह पर्यावरण मित्रता की दिशा में बढ़ाया गया एक कदम भी है। गौ संवर्धन की दिशा में आज एक नया अध्याय जुड़ रहा है।

गाय का महत्व बढ़ाने के लिए सुयोग्य विश्वविद्यालय का चयन : सांसद सिंह

सागर लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजबहादुर सिंह ने पीठ स्थापना के लिए आज हुए समझौता हस्ताक्षर के लिए, विश्वविद्यालय को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा भारत सरकार को इस पुनीत कार्य के लिए धन्यवाद। गाय का महत्त्व बढ़ाने के लिए बहुत ही सुयोग्य विश्वविद्यालय का चयन किया गया है। जिस गाय को हम भगवान का दर्जा देते हैं मुझे विश्वास है उसके लिए यह पीठ बेहतर कार्य कर सकेगी।

गोवंश के संरक्षण की दिशा में एक क्रांतिकारी पहल : विधायक जैन

सागर विधानसभा क्षेत्र के विधायक शैलेन्द्र जैन के अनुसार, विश्वविद्यालय में कामधेनु पीठ की स्थापना गोवंश के संरक्षण की दिशा में एक क्रांतिकारी आवश्यक और सकारात्मक पहल है। इससे बुंदेलखंड में पारंपरिक रूप से गोवंश के रूप में विद्यमान ज्ञान को प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक स्तर पर सब तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी।

कामधेनु पीठ वोकल फॉर लोकल का मूर्तिमान स्वरुप है : प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य देते अतिथि अतिथियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और पीठ स्थापित करने में मंत्रालय के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया. उन्होंने कहा कि यह एक गौरवशाली एवं ऐतिहासिक क्षण है जहाँ विश्वविद्यालय अपने अकादमिक सरोकारों के अतिरिक्त सामुदायिक सेवा की अपनी प्रतिबद्धता को संस्थानीकरण करते हुए मूर्त रूप देने जा रहा है. मुझे हर्ष है कि हमारी इस पहल को माननीय केन्द्रीय मंत्री जी के नेतृत्व में उनके सम्पूर्ण विभाग ने तत्परता और प्राथमिकता के साथ स्वीकार किया . उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की यह नवाचारी पहल वोकल फॉर लोकल से अनुप्राणित है. यह एक ऐसा रास्ता है जिसमें न केवल विश्वविद्यालय बल्कि समाज और राष्ट्र भी आत्मनिर्भर बनने की आयोजना को वास्तविक अर्थों में की साकार कर सकेगें. 21 वीं सदी की पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसके लिए हमें न सिर्फ मार्ग सुझाती है बल्कि संरचना और अवसर भी उपलब्ध कराती है, जहाँ हम इस समुदाय आधारित ज्ञान एवं विज्ञान की ऐतिहासिक समृद्धि को पुनः समझें. यह भी एक सुखद संयोग है कि डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है और मध्यप्रदेश के पहले कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना भी इसी विश्वविद्यालय में हो रहा है. यह एक ऐसा मणिकांचन योग है जिसकी अनुगूँज बहुत दूर तक जायेगी. उन्होंने कहा कि गो-संवर्धन के क्षेत्र में मंत्रालय की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं को इस पीठ के माध्यम से हमारा विश्वविद्यालय अपने स्तर पर क्रियान्वित कर एक व्यापक सामुदायिक क्रांति में बदलने के लिए संकल्पित है. इसके लिए हमारे पास आधुनिक तकनीकि और सुविधाओं से युक्त प्रयोगशालाएँ हैं तो वहीं स्थानीय स्तर पर दयोदय गौशाला जैसा श्रेष्ठ उदाहरण मौजूद है. उनके अनुभवों से हमें इस दिशा में कुछ ठोस और श्रेष्ठ करने में सहायता मिलेगी।

कामधेनु शोध पीठ स्थापित होना एक अद्वितीय सांस्कृतिक घटना: कुलाधिपति

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो.बलवंतराय शांतीलाल जानी ने कहा कि इस शोध पीठ की स्थापित होना, एक सांस्कृतिक दृष्टिकोण से बड़े महत्व की घटना है। यह नए भारत का दर्शन है कि एक मंत्रालय का पूरा अमला, अपने मुखिया के साथ एक विश्वविद्यालय के द्वार पर, स्वयं एक प्रस्ताव लेकर उपस्थित है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सुफल है। कि संस्थाओं के साथ-साथ लोगों के बीच भी इस तरह के नवाचारी विचार पनप रहे हैं। जो भारतीयता एवं राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत है। परम वैभवशाली राष्ट्र निर्माण की राह गौ-माता के प्रति हमारी आस्था से होकर जाती है। हमें खुशी है कि विश्वविद्यालय इस क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा दे रहा है।

जनता को समर्पित हुआ महर्षि पतंजलि भवन

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार के पीछे स्थित महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण भी हुआ। इस अवसर पर कामधेनु पीठ स्थापना कार्यक्रम में पधारे गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में भवन का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर योग विभाग के विद्यार्थियों ने योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया। वर्तमान में इस भवन में प्रबंधन अध्ययन विभाग, योग विभाग और संगीत विभाग संचालित हैं।

इस अवसर पर कार्यक्रम की नोडल अधिकारी प्रो. अर्चना पाण्डेय ने कामधेनु पीठ के उद्देश्यों एवं भविष्य की योजनाओं की प्रस्तुति देते हुए बताया कि यह पीठ सागर सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों और समग्रता में बुंदेलखंड के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा जिसमें वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन और पशुधन संरक्षण के तौर-तरीकों, गौ पालन के प्रति उच्च शिक्षा से जुड़े हुए युवाओं को आकर्षित करने और शिक्षित करने, प्रकृति और प्राकृतिक चीजों के प्रति लोगों को संजीदा बनाने जैसे व्यापक उद्देश्य के साथ कार्य करते हुए पंचगव्य, गोबर, गौमूत्र आदि पर अनुसंधान किया जाएगा. इस दौरान त्रिपुरी टाइम्स परिवार के शिवनारायण पटैल, एडवोकेट सिद्धार्थ शुक्ला, प्रवीण खिल्लरे, सत्यप्रकाश यादव, रिपोर्टर दीपक तिवारी एवं फोटोग्राफर राम ठाकुर भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया. कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने मंचासीन अतिथियों सहित कार्यक्रम में पधारे लोगों का आभार व्यक्त किया. डॉ राकेश सोनी के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा बरेदी नृत्य की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ. कार्यक्रम में सागर के सम्माननीय जनप्रतिनिधि, नागरिक गण, मीडियाकर्मी बंधु और विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त और सेवारत शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

डिप्लोमा और सर्टिफिकेट कोर्स हुए शुरू

इस पाठ्यक्रम के तहत दो डिप्लोमा कोर्स और 4 सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ किया गया है जिसमें छात्रों को गोपालन को सेवा गौ संवर्धन के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग क्षेत्रों में प्रशिक्षित किया जाएगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया। कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने मंचासीन अतिथियों सहित कार्यक्रम में पधारे लोगों का आभार व्यक्त किया। डॉ राकेश सोनी के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा बरेदी नृत्य की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में सागर के सम्माननीय जनप्रतिनिधि, नागरिक गण,और विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त और सेवारत शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

मंत्रालय और विश्वविद्यालय के संकल्प का गवाह बना एमओयू

इस अवसर पर मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय के बीच एमओयू भी हस्ताक्षरित हुआ। कामधेनु पीठ द्वारा संचालित की जाने वाली गतिविधियों के संबंध में मंत्रालय और विश्वविद्यालय की भूमिका को लेकर समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर हुए। विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने और मंत्रालय प्रतिनिधि संयुक्त सचिव ओ. पी. चौधरी ने समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किये।

गो सेवा सम्मान समारोह...

धर्म रक्षा संगठन सागर एवं गौ रक्षा कमांडो फोर्स मध्यप्रदेश द्वारा सागर में शुक्रवार को गोपाष्टमी के पर्व पर गो पुत्रों का सम्मान किया गया। गो सेवा सम्मान समारोह के मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर अखिलेश्वरानंदगिरि (गो सेवा आयोग अध्यक्ष भोपाल कैबिनेट मंत्री दर्जा प्राप्त),कपिल मलैया (संरक्षक धर्म रक्षक संगठन), कुलदीप सिंह राठौर(संरक्षक गो रक्षा कमांडो फोर्स), त्रिपुरी टाइम्स के संपादक डॉक्टर राजेश जायसवाल एवं सूरज सोनी (प्रदेश अध्यक्ष गो रक्षा कमांडो फोर्स) ने गो माता की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित कर व गो माता को माला पहनाकर सम्मान समारोह की शुरुआत की। गो सेवा सम्मान समारोह के इस कार्यक्रम में ही त्रिपुरी टाइम्स अखबार के विशेषांक का विमोचन किया गया। महाराज जी ने अखबार के इस प्रयास की सराहना की। गो रक्षा कमांडो फोर्स शाजापुर जिला अध्यक्ष संतोष सूर्या परमार (शुजालपुर) को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। गो रक्षा कमांडो फोर्स शाजापुर जिला अध्यक्ष संतोष सूर्या परमार ने यह सम्मान शाजापुर जिले के गो पुत्रों को समर्पित किया और धर्म रक्षा संगठन सागर एवं गो रक्षा कमांडो फोर्स मध्यप्रदेश का आभार व्यक्त किया।

धर्म रक्षा संगठन एवं गो रक्षा कमांडो फोर्स के कार्यकर्ता हुए सम्मानित

गो संरक्षण अभियान को बनाएं जन आंदोलन : स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि

गोपाष्टमी के अवसर पर त्रिपुरी टाइम्स के गो विशेषांक का हुआ विमोचन

त्रिपुरी टाइम्स • सागर

www.tripuritimes.com

डॉ हरि सिंह गौर केन्द्रीय विश्वविद्यालय मे गोपाष्टमी के अवसर पर कामधेनु अध्ययन एवं शोध की स्थापना का आयोजन किया गया। इसी दौरान समाज में तेजी से लोकप्रिय होते संस्कारधानी के दैनिक समाचार पत्र त्रिपुरी टाइम्स द्वारा गोपाष्टमी के अवसर पर गो माता को समर्पित गो विशेषांक का विमोचन -केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार पुरषोत्तम रूपाला के मुख्य अतिथि, महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि अध्यक्ष गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड (कार्य परिषद) शासन भोपाल की अध्यक्षता एवं विशिष्ट अतिथि सागर विधायक शैलेंद्र जैन, सांसद राज बहादुर सिंह, कुलाधिपति प्रो बलवंत राय शांतिलाल जानी, कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता, प्रो अर्चना पांडेय एवं अन्य अतिथियों की उपस्थिति मे हुआ। अतिथियों ने त्रिपुरी टाइम्स के गो विशेषांक की प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज के सभी वर्गों एवं उपक्रमों को गोवंश संरक्षण की दिशा में अपने स्तर पर प्रयास करना चाहिए। महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि ने कहा कि गोवंश संरक्षण अभियान को जन आंदोलन बनाना चाहिए। इस अवसर पर त्रिपुरी टाइम्स के संपादक डॉक्टर राजेश जायसवाल भी मंच पर उपस्थित रहे।

-विस्तृत पेज 8 पर

Dainik Bhaskar Hindi News Paper Date 13 Nov 2021 Page No. 02/05

महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण

सागर| कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने योग का प्रदर्शन किया।

सागर| विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार के पीछे स्थित महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण भी किया गया। इस दौरान अतिथियों की मौजूदगी में योग विभाग के विद्यार्थियों ने योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया। वर्तमान में इस भवन में प्रबंधन अध्ययन विभाग, योग विभाग और संगीत विभाग संचालित हैं। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी प्रो. अर्चना पांडेय ने कामधेनु पीठ के उद्देश्यों एवं भविष्य की योजनाओं को प्रस्तुत किया।संचालन डॉ. आशुतोष ने और आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने माना। डॉ. राकेश सोनी के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा बरेदी नृत्य की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। कार्यक्रम में अपर कलेक्टर अखिलेश जैन, डॉ. दिवाकर सिंह राजपूत, डॉ. विवेक तिवारी, प्रो. केकेएन शर्मा, कपिल मलैया और पप्पू तिवारी सहित अन्य लोग शामिल रहे।

Patrika Hindi News Paper **Date 13 Nov 2021 Page No. 02**

स्थापना कार्यक्रम | डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की रखी गई नींव

'भारतीय गायों की क्षमता अपार, जरुरत इसे समझने और समझाने की है'

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर केंद्रीय विवि में गुरुवार को कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री मत्स्य पालन पशुपालन एवं डेयरी परषोत्तम रूपाला ने कहा कि यह गर्व की बात है कि विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन और अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय ने मत्स्य पालन पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के साथ समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किया है। भारतीय गायों की क्षमता अपार है, जरुरत इसे समझने और समझाने की है।

दुग्ध उत्पादन, खाद उत्पादन और विभिन्न औषधीय उपयोगों सहित गायों के महत्व को कई पहलुओं को हम बचपन से जानते हैं। दुर्भाग्य से समय के साथ हम देशी गोवंश का महत्व भूल गए हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय को चाहिए कि छात्रों के हॉस्टल की ही तर्ज पर गायों के आश्रय के लिए भी एक बड़े केंद्र की स्थापना करे। हमारा मंत्रालय और मैं व्यक्तिगत तौर पर भी इसमें सहयोग करने को तैयार हूं।

पूरे विश्व में पैराडाइम शिफ्ट हो रहा है- विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया ने कहा कि यह एक महान काम है। आज पूरे विश्व में पैराडाइम शिफ्ट हो रहा है।

विश्व के फलक पर भारतीय संस्कृति अपना विस्तार कर रही है। गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड मप्र अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी ने कहा कि मध्य प्रदेश सर्वाधिक गौ प्रेमी और गौ सेवकों का प्रदेश है।

गौ संवर्धन आयोग के साथ मिलकर विश्वविद्यालय में विश्व की सबसे बड़ी गौशाला स्थापित की जा सकती है।

कार्यक्रम में सांसद राजबहादुर सिंह ने भी अपने विचार रखे। हालांकि स्वर्ण जयंती सभागार में कुर्सियां खाली मिलने पर उन्होंने कुलपति से सामाजिक संपर्क बढ़ाने की बात कही। ताकि अगली बार इस तरह की स्थितियां न बने।

विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय में कामधेनु पीठ की स्थापना गोवंश के संरक्षण की दिशा में एक क्रांतिकारी अकादमिक पहल है। इससे बुंदेलखंड में पारंपरिक रूप से गोवंश के रूप में विद्यमान ज्ञान को प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक स्तर पर सब तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी।

कामधेनु पीठ वोकल फॉर लोकल का मूर्त रूप

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि यह एक गौरवशाली एवं ऐतिहासिक क्षण है, जहां विश्वविद्यालय अपने अकादमिक सरोकारों के अतिरिक्त सामुदायिक सेवा की अपनी प्रतिबद्धता को संस्थानीकरण करते हुए मूर्त रूप देने जा रहा है। विश्वविद्यालय की यह नवाचारी पहल वोकल फॉर लोकल से अनुप्राणित है। यह एक ऐसा रास्ता है जिससे न केवल विश्वविद्यालय बल्कि समाज और राष्ट्र भी आत्मनिर्भर बनने की आयोजना को वास्तविक अर्थों में साकार कर सकेंगें।

Nav Bharat Hindi News Paper **Date 13 Nov 2021 Page No. 03**

हॉस्टल की तर्ज पर गौ आश्रय स्थल हों तैयार :रूपाला

नवभारत न्यूज

सागर 12 नवम्बर. डॉ हरीसिंह गौर विवि में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना कार्यक्रम संपन्न हुआ.

मुख्य अतिथि केंद्रीय कैबिनेट मंत्री परषोत्तम रूपाला ने कहा कि कामधेनु अध्ययन और अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए विवि ने मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के साथ समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किया है. भारतीय गायों की क्षमता अपार है, जरुरत इसे समझने और समझाने की है. दुग्ध उत्पादन, खाद उत्पादन और विभिन्न औषधीय उपयोगों सहित गायों के महत्व को कई पहलुओं को हम बचपन से जानते हैं. दुर्भाग्य से, समय के साथ हम देशी गोवंश का महत्व भूल गए हैं. विवि को चाहिए कि छात्रों के हॉस्टल की ही तर्ज पर गायों के आश्रय के लिए भी एक बड़े केंद्र की स्थापना करे. कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत भाषण दिया. गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड के अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी ने कहा कि यह पीठ देश के एक प्रतिमान बने जहां गौधन संवर्धन के लिए वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन-अध्यापन हो सकेगा. आने वाला समय पंचगव्य की आर्थिकी का है जिसके द्वारा हमारा समाज आत्मनिर्भर बन सकेगा. विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया ने कहा कि आज पूरे विश्व में पैराडाइम शिफ्ट हो रहा है. विश्व के फलक पर भारतीय संस्कृति अपना विस्तार कर रही है. यह पर्यावरण फ्रेंडली की दिशा में बढ़ाया गया एक कदम भी है. गौ संवर्धन की दिशा में आज एक नया अध्याय जुड़ रहा है. कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतीलाल जानी ने कहा कि यह शोध पीठ स्थापित होना एक सांस्कृतिक परिघटना है. सांसद राजबहादुर सिंह ने कहा कि मुझे विश्वास है उसके लिए यह पीठ बेहतर कार्य कर सकेगी.

Desh Bandhu Hindi News Paper **Date 13 Nov 2021 Page No. 08**

गौ संवर्धन का विशिष्ट वैश्विक केंद्र बने डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय : रुपाला

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर पारम्परिक बुंदेली वाद्य यंत्रों और लोकाचार से किया अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय परषोत्तम रूपाला ने कहा यह गर्व की बात है कि विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन और अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय ने मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के साथ समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किया है। भारतीय गायों की क्षमता अपार है, जरुरत इसे समझने और समझाने की है। दुग्ध उत्पादन, खाद उत्पादन और विभिन्न औषधीय उपयोगों सहित गायों के महत्व को कई पहलुओं को हम बचपन से जानते हैं। दुर्भाग्य से, समय के साथ हम देशी गौवंश का महत्व भूल गए हैं। भारतीय परम्परा में समृद्धि की गणना गौधन से ही की जाती थी। यह एक पारंपरिक धन है जो हमें स्वाभाविक ढंग से चतुर्दिक समृद्धि की ओर ले जा सकती है। विश्वविद्यालय को चाहिए कि छात्रों के हॉस्टल की ही तर्ज़ पर गायों के आश्रय के लिए भी एक बड़े केंद्र की स्थापना करे। हमारा मंत्रालय और मैं व्यक्तिगत तौर पर भी इसमें सहयोग करने को तैयार हूँ।

कामधेनु पीठ 'वोकल फॉर लोकल' का मूर्तिमान स्वरूप है : प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य देते अतिथि अतिथियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और पीठ स्थापित करने में मंत्रालय के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा यह एक गौरवशाली एवं ऐतिहासिक क्षण है जहाँ विश्वविद्यालय अपने अकादमिक सरोकारों के अतिरिक्त सामुदायिक सेवा की अपनी प्रतिबद्धता को संस्थानीकरण करते हुए मूर्त रूप देने जा रहा है। मुझे हर्ष है कि हमारी इस पहल को केन्द्रीय मंत्री के नेतृत्व में उनके सम्पूर्ण विभाग ने तत्परता और प्राथमिकता के साथ स्वीकार किया। विश्वविद्यालय की यह नवाचारी पहल 'वोकल फॉर लोकल' से अनुप्राणित है। यह एक ऐसा रास्ता है जिससे न केवल विश्वविद्यालय बल्कि समाज और राष्ट्र भी आत्मनिर्भर बनने की आयोजना को वास्तविक अर्थों में की साकार कर सकेगें।

विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ.वल्लभभाई कथीरिया ने कहा यह एक सुअवसर है कि गौआधारित अर्थव्यवस्था की शुरुआत हो रही है। यह पर्यावरण फ्रेंडली की दिशा में बढ़ाया गया एक कदम भी है। गौ संवर्धन की दिशा में आज एक नया अध्याय जुड़ रहा है।

कामधेनु पीठ बनेगा देश के लिए प्रतिमान : अखिलेश्वरानन्द गिरी

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी ने कहा सर्वाधिक गौ प्रेमी और गौ सेवकों का प्रदेश है। गौ संवर्धन आयोग के साथ मिलकर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में विश्व की सबसे बड़ी गौशाला स्थापित की जा सकती है। कामधेनु पीठ इस अर्थ में एक शुभ कदम है। मैं विश्वास करता हूँ कि यह पीठ देश के एक प्रतिमान बने जहां गौधन संवर्धन के लिए वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन-अध्यापन हो सकेगा।

कामधेनु शोध पीठ स्थापित होना एक सांस्कृतिक घटना: कुलाधिपति

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो.बलवंतराय शांतीलाल जानी ने कहा यह शोध पीठ स्थापित होना एक सांस्कृतिक परिघटना है। यह नए भारत का निदर्शन है कि एक मंत्रालय का पूरा अमला अपने मुखिया के साथ एक विश्वविद्यालय में उपस्थित है। विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा विश्वविद्यालय में कामधेनु पीठ की स्थापना गोवंश के संरक्षण की दिशा में एक क्रांतिकारी अकादमिक पहल है। इससे बुंदेलखंड में पारंपरिक रूप से गोवंश के रूप में विद्यमान ज्ञान को प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक स्तर पर सब तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी।

मंत्रालय और विश्वविद्यालय के बीच हुआ एमओयू

इस अवसर पर मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय के बीच एमओयू भी हुआ। कामधेनु पीठ द्वारा संचालित की जाने वाली गतिविधियों के संबंध में मंत्रालय और विश्वविद्यालय की भूमिका को लेकर समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर हुए। विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने और मंत्रालय प्रतिनिधि संयुक्त सचिव ओ. पी. चौधरी ने समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ.आशुतोष ने किया। कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने मंचासीन अतिथियों सहित कार्यक्रम में पधारे लोगों का आभार व्यक्त किया।

महर्षि पतंजलि भवन का हुआ लोकार्पण

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार के पीछे स्थित महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण भी हुआ। इस अवसर पर कामधेनु पीठ स्थापना कार्यक्रम में पधारे गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में भवन का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर योग विभाग के विद्यार्थियों ने योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया। वर्तमान में इस भवन में प्रबंधन अध्ययन विभाग, योग विभाग और संगीत विभाग संचालित हैं।

Dainik Jagran Hindi News Paper **Date 13 Nov 2021 Page No. 01**

गौ संवर्धन का विशिष्ट वैश्विक केंद्र बने डॉ.हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय: परषोत्तम रुपाला

- विवि में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना
- केंद्रीय मंत्री पहुंचे कार्यक्रम में शामिल होने

जागरण न्यूज, सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ। मुख्य अतिथि केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री परषोत्तम रूपाला ने कहा कि यह गर्व की बात है कि विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन और अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय ने मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के साथ समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किया है। दुग्ध उत्पादन, खाद उत्पादन और विभिन्न औषधीय उपयोगों सहित गायों के महत्व को कई पहलुओं को हम बचपन से जानते हैं। दुर्भाग्य से समय के साथ हम देशी गोवंश का महत्व भूल गए हैं। डॉ.हरीसिंह गौर विवि को गौ संवर्धन का विशिष्ट वैश्विक केंद्र बनना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारतीय परम्परा में समृद्धि की गणना गोधन से ही की जाती थी।

यह एक पारंपरिक धन है जो हमें स्वाभाविक ढंग से चतुर्दिक समृद्धि की ओर ले जा सकती है। विश्वविद्यालय को चाहिए कि छात्रों के हॉस्टल की ही तर्ज पर गायों के आश्रय के लिए भी एक बड़े केंद्र की स्थापना करे। हमारा मंत्रालय और मैं व्यक्तिगत तौर पर भी इसमें सहयोग करने को तैयार हूं। उन्होंने कहा कि गाय ब्रह्माण्ड का मूल आधार है। जिससे संबंधित सभी उत्पाद मनुष्य के मन, तन और धन को प्रखर कर देते हैं। इसलिए हमारा यह सौभाग्य है कि हमारे जीवन और समाज की सभी अनुष्ठानों में गाय की भूमिका और आशीर्वाद स्वाभाविक रूप से उपलब्ध है। श्री रूपाला ने कहा कि गौवंश, गौमूत्र आदि से होने वाली आय पर गौशाला आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती है। आज का समय ऐसे मॉडल को विकसित और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय इसे एक व्यापक क्रांति में बदल सके, ऐसा प्रयत्न इसे करना चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय कई आयामों और उद्देश्यों के प्रोजेक्ट और वित्त संबंधी प्रस्तावों को मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत करे। मंत्रालय निश्चित रूप से इस योजना में विश्वविद्यालय की मदद करेगा।

कामधेनु पीठ वोकल फॉर लोकल का मूर्तिमान स्वरुप है: प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य देते हुए कहा कि यह एक गौरवशाली एवं ऐतिहासिक क्षण है जहां विश्वविद्यालय अपने अकादमिक सरोकारों के अतिरिक्त सामुदायिक सेवा की अपनी प्रतिबद्धता को संस्थानीकरण करते हुए मूर्त रूप देने जा रहा है। विश्वविद्यालय की यह नवाचारी पहल वोकल फॉर लोकल से अनुप्राणित है। यह एक ऐसा रास्ता है जिससे न केवल विश्वविद्यालय बल्कि समाज और राष्ट्र भी आत्मनिर्भर बनने की आयोजना को वास्तविक अर्थों में की साकार कर सकेंगे। यह भी एक सुखद संयोग है कि डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है और मध्यप्रदेश के पहले कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना भी इसी विश्वविद्यालय में हो रहा है। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया ने कहा कि एक समय में मालवीय जी ने विश्वविद्यालय में गौशाला स्थापित करने की शुरुआत की थी। आज भी यह काम विश्वविद्यालय के माध्यम से किया जा रहा है।

कामधेनु पीठ बनेगा प्रतिमान: महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड मप्र शासन के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी ने कहा कि मध्य प्रदेश सर्वाधिक गौ प्रेमी और गौ सेवकों का प्रदेश है। मध्यप्रदेश गौ संवर्धन आयोग के साथ मिलकर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में विश्व की सबसे बड़ी गौशाला स्थापित की जा सकती है। कामधेनु पीठ इस अर्थ में एक शुभ कदम है। मध्य प्रदेश गौ संवर्धन आयोग इस के लिए विश्वविद्यालय का हर संभव मदद देने का आश्वासन देता है। विवि कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतीलाल जानी ने कहा कि यह शोध पीठ स्थापित होना एक सांस्कृतिक परिघटना है। यह नए भारत का निदर्शन है कि एक मंत्रालय का पूरा अमला अपने मुखिया के साथ एक विश्वविद्यालय में उपस्थित है। विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय में कामधेनु पीठ की स्थापना गोवंश के संरक्षण की दिशा में एक क्रांतिकारी अकादमिक पहल है। इससे बुंदेलखंड में पारंपरिक रूप से गोवंश के रूप में विद्यमान ज्ञान को प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक स्तर पर सब तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय के बीच एमओयू भी हुआ। कामधेनु पीठ द्वारा संचालित की जाने वाली गतिविधियों के संबंध में मंत्रालय और विश्वविद्यालय की भूमिका को लेकर समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर हुए। कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने मंचासीन अतिथियों सहित कार्यक्रम में पधारे लोगों का आभार व्यक्त किया। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार के पीछे स्थित महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण भी हुआ।

गो-संवर्धन का विशिष्ट वैश्विक केंद्र बने गौर विवि : केंद्रीय मंत्री

आयोजन • विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना कार्यक्रम में शामिल हुए केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला

सागर (नवदुनिया प्रतिनिधि)। भारतीय गायों की क्षमता अपार है, जरूरत इसे समझने और समझाने की है। दुग्ध उत्पादन, खाद उत्पादन और विभिन्न औषधीय उपयोगों सहित गायों के महत्व को कई पहलुओं को हम बचपन से जानते हैं। दुर्भाग्य से समय के साथ हम देशी गोवंश का महत्व भूल गए हैं। यह बात शुक्रवार को भारत सरकार के मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला ने विवि के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना कार्यक्रम के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा में समृद्धि की गणना गोधन से ही की जाती थी। यह एक पारंपरिक धन है जो हमें स्वाभाविक ढंग से चतुर्दिक समृद्धि की ओर ले जा सकती है। विवि को चाहिए कि छात्रों के हॉस्टल की ही तर्ज पर गायों के आश्रय के लिए भी एक बड़े केंद्र की स्थापना करें। हमारा मंत्रालय और मैं व्यक्तिगत तौर पर भी इसमें सहयोग करने को तैयार हूं। उन्होंने कहा कि गाय ब्रह्मांड का मूल आधार है, जिससे संबंधित सभी उत्पाद मनुष्य के मन, तन और धन को प्रखर कर देते हैं। इसलिए हमारा यह सौभाग्य है कि हमारे जीवन और समाज की सभी अनुष्ठानों में गाय की भूमिका और आशीर्वाद स्वाभाविक रूप से उपलब्ध है। यहां से यह संदेश जाना चाहिए कि हम अपने जीवन और कर्म में गो स्नेह को नए रूप में पुनर्स्थापित कर सकें।

स्वस्थ्य और सुरक्षित रहने हमें गोमाता की ही शरण में जाना होगा: उन्होंने कहा कि गोवंश, गोमूत्र आदि से होने वाली आय पर गोशाला आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती है। आज का समय ऐसे मॉडल को विकसित और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। कोरोना संकट की तमाम मुश्किलों के साथ इसने हमें यह सिखाया है कि स्वस्थ्य और सुरक्षित रहने के लिए हमें गोमाता की ही शरण में जाना होगा। विश्वविद्यालय इस शरण को एक व्यापक क्रांति में बदल सके ऐसा प्रयत्न इसे करना चाहिए। इसके लिए विश्वविद्यालय कई आयामों और उद्देश्यों के प्रोजेक्ट और वित्त संबंधी प्रस्तावों को मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत करे। मंत्रालय निश्चित रूप से इस योजना में विश्वविद्यालय की मदद करेगा।

कामधेनु पीठ बनेगा देश के लिए प्रतिमान : महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी: कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे मप्र गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड शासन के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी ने कहा कि मध्य प्रदेश सर्वाधिक गो प्रेमी और गो सेवकों का प्रदेश है। बच्चों को दूध पीने की प्रेरणा देना चाहिए। नवाचार अपनाते हुए टॉफी के रूप में ही सही बच्चों तक दूध पहुंचाया जाए। उन्होंने कहा कि सागर में विश्व की सबसे बड़ी गोशाला बन सकती है। यहां करीब 3600 एकड़ भूमि है, जिस पर कब्जा हो गया है। उन्होंने कहा कि हमसे ज्यादा बुद्धिमान अंग्रेज थे, जिन्होंने अपने शासनकाल के समय यहां 10 गो सदन बनाकर रखे थे। हमने मप्र में गोवंश की संरचना के लिए एक रोडमेप बनाकर अधिकारियों को दे दिया है। उन्होंने कहा कि पहले घरों में गायों को रोटी देने की परंपरा रही है, लेकिन अब यह लोग भूल रहे हैं। यदि हम प्रतिदिन गायों के लिए हर घर से 10 रुपये दान करें तो हमारा मप्र आगामी तीन वर्षों में ही स्वर्णिम मप्र बन जाएगा। कामधेनु पीठ इस अर्थ में एक शुभ कदम है।

कामधेनु पीठ वोकल फॉर लोकल का मूर्तिमान स्वरूप है : कुलपति: कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि विवि को विवि की वह नवाचारी पहल वोकल फॉर लोकल से अनुप्राणित है। यह एक ऐसा रास्ता है जिससे न केवल विवि बल्कि समाज और राष्ट्र भी आत्मनिर्भर बनने की आयोजन को वास्तविक अर्थों में की साकार कर सकेंगे। 21 वीं सदी की पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसके लिए हमें न सिर्फ मार्ग सुझाती है बल्कि संरचना और अवसर भी उपलब्ध कराती है। जहां हम इस समुदाय आधारित ज्ञान एवं विज्ञान की ऐतिहासिक समृद्धि को पुन: समझें यह भी एक सुखद संयोग है कि विवि मप्र का पहला विवि और मप्र के पहले कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना भी इसी विवि में हो रही है। यह एक ऐसा मणिकांचन योग है जिसकी अनुगूंज बहुत दूर तक जाएगी। उन्होंने कहा कि गो.संवर्धन के क्षेत्र में मंत्रालय की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं को इस पीठ के माध्यम से हमारा विश्वविद्यालय अपने स्तर पर क्रियान्वित कर एक व्यापक सामुदायिक क्रांति में बदलने के लिए संकल्पित है। इसके लिए हमारे पास आधुनिक तकनीकि और सुविधाओं से युक्त प्रयोगशालाएं हैं तो वहीं स्थानीय स्तर पर दयोदय गोशाला जैसा श्रेष्ठ उदाहरण मौजूद हैं। उनके अनुभवों से हमें इस दिशा में कुछ ठोस और श्रेष्ठ करने में सहायता मिलेगी। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डा. वल्लभभाई कथीरिया ने कहा कि यह एक सुअवसर है कि गोआधारित अर्थव्यवस्था की शुरुआत हो रही है। यह एक महान काम है आज पूरे विश्व में पैराडाइम शिफ्ट हो रहा है। विश्व के फलक पर भारतीय संस्कृति अपना विस्तार कर रही है। यह पर्यावरण फ्रेंडली की दिशा में बढ़ाया गया एक कदम भी है।

मंत्रालय और विवि के बीच हुआ एमओयू: इस अवसर पर कामधेनु पीठ द्वारा संचालित की जाने वाली गतिविधियों के संबंध में मंत्रालय और विवि की भूमिका को लेकर समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर हुए। विवि की ओर से कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने और मंत्रालय प्रतिनिधि संयुक्त सचिव ओपी चौधरी ने समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किए। वहीं विवि के स्वर्ण जयन्ती सभागार के पीछे स्थित महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण भी हुआ। इस अवसर पर योग विभाग के विद्यार्थियों ने योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन डा. आशुतोष ने किया व आभार कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने व्यक्त किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला। इस दौरान मंचासीन अन्य अतिथिगण। • नवदुनिया

कामधेनु शोध पीठ स्थापित होना एक सांस्कृतिक परिघटना : कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी

विवि के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि यह शोध पीठ स्थापित होना एक सांस्कृतिक परिघटना है। यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सुफल है कि संस्थाओं के साथ-साथ लोगों के बीच भी इस तरह के नवाचारी विचार पनप रहे हैं जो भारतीयता एवं राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत है। सांसद राजबहादुर सिंह ने कहा कि भारत सरकार ने गाय का महत्व बढ़ाने के लिए बहुत ही सुयोग्य विश्वविद्यालय का चयन किया गया है। सांसद ने कार्यक्रम में कम भीड़ होने पर निराशा व्यक्त की और कहा कि शहर के लोगों से विवि प्रबंधन संपर्क बनाए ताकि इतने बड़े कार्यक्रम में ज्यादा से ज्यादा लोग शामिल हो सकें। विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि विवि में कामधेनु पीठ की स्थापना गोवंश के संरक्षण की दिशा में एक क्रांतिकारी अकादमिक पहल है। इससे बुंदेलखंड में पारंपरिक रूप से गोवंश के रूप में विद्यमान ज्ञान को प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक स्तर पर सब तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी प्रो. अर्चना पाण्डेय ने कहा कि यह पीठ सागर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और समग्रता में बुंदेलखंड के विकास मे महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

केंद्रीय मंत्री का स्वागत करती हुई कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता। • नवदुनिया

कार्यक्रम में विवि के योग विभाग के विद्यार्थियों ने योगासन की प्रस्तुति दी। • नवदुनिया

आयोजन । गौ संवर्धन का विशिष्ट वैश्विक केंद्र बने डॉक्टर हरीसिंह गौर विवि: रुपाला

विवि में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ स्थापित

- सांसद राजबहादुर ने केन्द्रीय मंत्री के कार्यक्रम में कम उपस्थिति पर चिंता जाहिर की। उन्होंने कुलपति से आग्रह किया कि सागर की जनता का विवि से जुड़ाव बना रहे ऐसी पहल की जाये। स्वर्ण जयंती सभागार में लायब्रेरी के कर्मचारियों और कुछ विद्यार्थियों को तत्काल बुलाया गया तब जाकर हाल में कुछ उपस्थिति दिखी।
- पूर्व कुलपति जनक दुलारी आही कार्यक्रम में पिछली पंक्ति में बैठीं रहीं।
- विवि प्रशासन की ओर से सूचना दी गई थी कि केन्द्रीय मंत्री रूपाला ठीक 12 बजे मीडिया से चर्चा करेंगे, किन्तु आयोजकों ने इस हेतु कोई व्यवस्था नहीं की थी। मंत्री ने रास्ते में ही खड़े होकर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लोगों से चर्चा की।

सागर, आचरण संवाददाता।

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर पारम्परिक बुंदेली वाद्ययन्त्रों और लोकाचार से किया अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार परषोत्तम रूपाला ने कहा कि यह गर्व की बात है कि विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन और अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय ने मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के साथ समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किया है। भारतीय गायों की क्षमता अपार है, जरूरत इसे समझने और समझाने की है। दुग्ध उत्पादन, खाद उत्पादन और विभिन्न औषधीय उपयोगों सहित गायों के महत्व को कई पहलुओं को हम बचपन से जानते हैं, दुर्भाग्य से, समय के साथ हम देशी गोवंश का महत्व भूल गए हैं। भारतीय परम्परा में समृद्धि की गणना गोधन से ही की जाती थी। यह एक पारंपरिक धन है जो हमें स्वाभाविक ढंग से चतुर्दिक समृद्धि की ओर ले जा सकती है. विश्वविद्यालय को चाहिए कि छात्रों के हॉस्टल की ही तर्ज पर गायों के आश्रय के लिए भी एक बड़े केंद्र की स्थापना करें. हमारा मंत्रालय और मैं व्यक्तिगत तौर पर भी इसमें सहयोग करने को तैयार हूँ। उन्होंने कहा कि गाय ब्रह्माण्ड का मूल आधार है, जिससे संबंधित सभी उत्पाद मनुष्य के मन, तन और धन को प्रखर कर देते हैं. इसलिए हमारा यह सौभाग्य है कि हमारे जीवन और समाज की सभी अनुष्ठानों में गाय की भूमिका और आशीर्वाद स्वाभाविक रूप से उपलब्ध है. यहाँ से एक संदेश जाना चाहिए कि हम अपने जीवन और कर्म में गौ-स्नेह को नये रूप में पुनर्स्थापित कर सकें।

उन्होंने कहा कि गोबर, गौमूत्र आदि से होने वाली आय पर गौशाला आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती है. आज का समय ऐसी मॉडल को विकसित और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है. कोरोना संकट की तमाम मुश्किलों के साथ इसने हमें यह सिखाया है कि स्वस्थ और सुरक्षित रहने के लिए हमें गौमाता की ही शरण में जाना होगा. विश्वविद्यालय इस शरण को एक व्यापक क्रांति में बदल सके, ऐसा प्रयत्न इसे करना चाहिए. इसके लिए विश्वविद्यालय कई आयामों और उद्देश्यों के प्रोजेक्ट और वित्त संबंधी प्रस्तावों को मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत करे. मंत्रालय निश्चित रूप से इस योजना में विश्वविद्यालय की मदद करेगा। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य देते अतिथि अतिथियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और पीठ स्थापित करने में मंत्रालय के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया. उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की यह नवाचारी पहल 'वोकल फॉर लोकल' से अनुप्राणित है। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया ने कहा कि यह एक सुअवसर है कि गौआधारित अर्थव्यवस्था की शुरुआत हो रही है. एक समय में मालवीय ने विश्वविद्यालय में गौशाला स्थापित करने की शुरुआत की थी। आज भी यह काम विश्वविद्यालय के माध्यम से किया जा रहा है. यह एक महान काम है. आज पूरे विश्व में पैराडाइम शिफ्ट हो रहा है. विश्व के फलक पर भारतीय संस्कृति अपना विस्तार कर रही है. यह पर्यावरण फ्रेंडली की दिशा में बढ़ाया गया एक कदम भी है. गौ संवर्धन की दिशा में आज एक नया अध्याय जुड़ रहा है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड, मध्य प्रदेश शासन के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी ने कहा कि मध्य प्रदेश सर्वाधिक गौ प्रेमी और गौ सेवकों का प्रदेश है. मध्य प्रदेश गौ संवर्धन आयोग के साथ मिलकर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में विश्व की सबसे बड़ी गौशाला स्थापित की जा सकती है, कामधेनु पीठ इस अर्थ में एक शुभ कदम है. मैं विश्वास करता हूँ कि यह पीठ देश के एक प्रतिमान बने जहां गौधन संवर्धन के लिए वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन-अध्यापन हो सकेगा. आने वाला समय यह गाय की अर्थिकी का है जिसके द्वारा हमारा समाज आत्मनिर्भर बन सकेगा. मध्य प्रदेश गौ संवर्धन आयोग इस हेतु विश्वविद्यालय का हर संभव मदद देने का आश्वासन देता है।

विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो.बलवंतराय शांतिलाल जानी ने कहा कि यह शोध पीठ स्थापित होना एक सांस्कृतिक परिघटना है. यह नए भारत का निदर्शन है कि एक मंत्रालय का पूरा अमला अपने मुखिया के साथ एक विश्वविद्यालय में उपस्थित है. यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सुफल है कि संस्थाओं के साथ-साथ लोगों के बीच भी इस तरह के नवाचारी विचार पनप रहे हैं।

सागर लोकसभा क्षेत्र के सांसद राजबहादुर सिंह ने कहा कि पीठ स्थापना के लिए आज हुए समझौता हस्ताक्षर के लिए विश्वविद्यालय को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ। सागर विधानसभा क्षेत्र के विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय में कामधेनु पीठ की स्थापना गोवंश के संरक्षण की दिशा में एक क्रांतिकारी अकादमिक पहल है. इससे बुंदेलखंड में पारंपरिक रूप से गोवंश के रूप में विद्यमान ज्ञान को प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक स्तर पर सब तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी।

इस अवसर पर कार्यक्रम की नोडल अधिकारी प्रो. अर्चना पाण्डेय ने कामधेनु पीठ के उद्देश्यों एवं भविष्य की योजनाओं की प्रस्तुति देते हुए बताया कि यह पीठ सागर सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों और समग्रता में बुंदेलखंड के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा जिसमें वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन और पशुधन संरक्षण के तौर-तरीकों, गौ पालन के प्रति उच्च शिक्षा से जुड़े हुए युवाओं को आकर्षित करने और शिक्षित करने, प्रकृति और प्राकृतिक चीजों के प्रति लोगों को संजीदा बनाने जैसे व्यापक उद्देश्य के साथ कार्य करते हुए पंचगव्य, गोबर, गौमूत्र आदि पर अनुसंधान किया जाएगा।

मंत्रालय और विश्वविद्यालय के बीच हुआ एमओयू

इस अवसर पर मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय के बीच एमओयू भी हुआ. कामधेनु पीठ द्वारा संचालित की जाने वाली गतिविधियों के संबंध में मंत्रालय और विश्वविद्यालय की भूमिका को लेकर समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर हुए. विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने और मंत्रालय प्रतिनिधि संयुक्त सचिव ओ. पी. चौधरी ने समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किये। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया. कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने मंचासीन अतिथियों सहित कार्यक्रम में पधारे लोगों का आभार व्यक्त किया. डॉ राकेश सोनी के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा बरेदी नृत्य की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ. कार्यक्रम में सागर के सम्माननीय जनप्रतिनिधि, नागरिक गण, मीडियाकर्मी बंधु और विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त और सेवारत शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

महर्षि पतंजलि भवन का हुआ लोकार्पण

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार के पीछे स्थित महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण भी हुआ. इस अवसर पर कामधेनु पीठ स्थापना कार्यक्रम में पधारे गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में भवन का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ. इस अवसर पर योग विभाग के विद्यार्थियों ने योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया. वर्तमान में इस भवन में प्रबंधन अध्ययन विभाग, योग विभाग और संगीत विभाग संचालित है।

Shubh Bharat Hindi News Paper   Date 13 Nov 2021 Page No. 05

गौ-संवर्धन का विशिष्ट वैश्विक केंद्र बने डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय: परषोत्तम रुपाला

सागर(एस.बी.न्यूज)। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर पारम्परिक बुंदेली वाद्ययन्त्रों और लोकाचार से किया अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार परषोत्तम रूपाला ने कहा कि यह गर्व की बात है कि विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन और अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय ने मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के साथ समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किया है। भारतीय गायों की क्षमता अपार है, जरूरत इसे समझने और समझाने की है. दुग्ध उत्पादन, खाद उत्पादन और विभिन्न औषधीय उपयोगों सहित गायों के महत्व को कई पहलुओं को हम बचपन से जानते हैं. दुर्भाग्य से, समय के साथ हम देसी गोवंश का महत्व भूल गए हैं। भारतीय परम्परा में समृद्धि की गणना गोधन से ही की जाती थी. यह एक पारंपरिक धन है जो हमें स्वाभाविक ढंग से चतुर्दिक समृद्धि की ओर ले जा सकती है. विश्वविद्यालय को चाहिए कि छात्रों के हॉस्टल की ही तर्ज पर गायों के आश्रय के लिए भी एक बड़े केंद्र की स्थापना करे. हमारा मंत्रालय और मैं व्यक्तिगत तौर पर भी इसमें सहयोग करने को तैयार हूँ। उन्होंने कहा कि गाय ब्रह्माण्ड का मूल आधार है। जिससे संबंधित सभी उत्पाद मनुष्य के मन, तन और धन को प्रखर कर देते हैं। इसलिए हमारा यह सौभाग्य है कि हमारे जीवन और समाज की सभी अनुष्ठानों में गाय की भूमिका और आशीर्वाद स्वाभाविक रूप से उपलब्ध है. यहाँ से यह संदेश जाना चाहिए कि हम अपने जीवन और कर्म में गौ-स्नेह को नये रूप में पुनर्स्थापित कर सकें।

उन्होंने कहा कि गौवंश, गौमूत्र आदि से होने वाली आय पर गौशाला आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती है। आज का समय ऐसे मॉडल को विकसित और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है। कोरोना संकट की तमाम मुश्किलों के साथ इसने हमें यह सिखाया है कि स्वस्थ और सुरक्षित रहने के लिए हमें गौमाता की ही शरण में जाना होगा। विश्वविद्यालय इस शरण को एक व्यापक क्रान्ति में बदल सके, ऐसा प्रयत्न इसे करना चाहिए. इसके लिए विश्वविद्यालय कई आयामों और उद्देश्यों के प्रोजेक्ट और वित्त संबंधी प्रस्तावों को मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत करे। मंत्रालय निश्चित रूप से इस योजना में विश्वविद्यालय की मदद करेगा।

कामधेनु पीठ बनेगा देश के लिए प्रतिमान: महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड, मध्य प्रदेश शासन के अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी ने कहा कि मध्य प्रदेश सर्वाधिक गौ प्रेमी और गौ सेवकों का प्रदेश है. मध्य प्रदेश गौ संवर्धन आयोग के साथ मिलकर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में विश्व की सबसे बड़ी गौशाला स्थापित की जा सकती है. कामधेनु पीठ इस अर्थ में एक शुभ कदम है. मैं विश्वास करता हूँ कि यह पीठ देश के एक प्रतिमान बने जहां गौधन संवर्धन के लिए वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन-अध्यापन हो सकेगा. आने वाला समय पञ्च गव्य की अर्थिकी का है जिसके द्वारा हमारा समाज आत्मनिर्भर बन सकेगा. मध्य प्रदेश गौ संवर्धन आयोग इस हेतु विश्वविद्यालय का हर संभव मदद देने का आश्वासन देता है.

कामधेनु शोध पीठ स्थापित होना एक सांस्कृतिक घटना: कुलाधिपति- विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो.बलवंतराय शांतीलाल जानी ने कहा कि यह शोध पीठ स्थापित होना एक सांस्कृतिक परिघटना है। यह नए भारत का निदर्शन है कि एक मंत्रालय का पूरा अमला अपने मुखिया के साथ एक विश्वविद्यालय में उपस्थित है. यह राष्ट्रीय शिक्षा नीति का सुफल है कि संस्थाओं के साथ-साथ लोगों के बीच भी इस तरह के नवाचारी विचार पनप रहे हैं जो भारतीयता एवं राष्ट्रप्रेम से ओत-प्रोत है. परम वैभवशाली राष्ट्र निर्माण की राह गौ-माता के प्रति हमारी आस्था से होकर जाती है. हमें खुशी है कि विश्वविद्यालय इस राह का अन्वेषक बन रहा है।

सांसद राजबहादुर सिंह ने कहा कि पीठ स्थापना के लिए आज हुए समझौता हस्ताक्षर के लिए विश्वविद्यालय को बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ. उन्होंने भारत सरकार को इस पुनीत कार्य के लिए धन्यवाद दिया और कहा कि गाय का महत्व बढ़ाने के लिए बहुत ही सुयोग्य विश्वविद्यालय का चयन किया गया है. जिस गाय को हम भगवान् का दर्जा देते हैं मुझे विश्वास है उसके लिए यह पीठ बेहतर कार्य कर सकेगी।

कामधेनु पीठ 'वोकल फॉर लोकल' का मूर्तिमान स्वरूप है: प्रो. नीलिमा गुप्ता

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने स्वागत वक्तव्य देते अतिथि अतिथियों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की और पीठ स्थापित करने में मंत्रालय के सहयोग के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने कहा कि यह एक गौरवशाली एवं ऐतिहासिक क्षण है जहाँ विश्वविद्यालय अपने अकादमिक सरोकारों के अतिरिक्त सामुदायिक सेवा की अपनी प्रतिबद्धता को संस्थानीकरण करते हुए मूर्त रूप देने जा रहा है. मुझे हर्ष है कि हमारी इस पहल को माननीय केन्द्रीय मंत्री जी के नेतृत्व में उनके सम्पूर्ण विभाग ने तत्परता और प्राथमिकता के साथ स्वीकार किया। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की यह नवाचारी पहल 'वोकल फॉर लोकल' से अनुप्राणित है. यह एक ऐसा रास्ता है जिससे न केवल विश्वविद्यालय बल्कि समाज और राष्ट्र भी आत्मनिर्भर बनने की आयोजना को वास्तविक अर्थों में की साकार कर सकेंगें. 21 वीं सदी की पहली राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसके लिए हमें न सिर्फ मार्ग सुझाती है बल्कि संरचना और अवसर भी उपलब्ध कराती है, जहाँ हम इस समुदाय आधारित ज्ञान एवं विज्ञान की ऐतिहासिक समृद्धि को पुनः समझें. यह भी एक सुखद संयोग है कि डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है और मध्यप्रदेश के पहले 'कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ' की स्थापना भी इसी विश्वविद्यालय में हो रहा है. यह एक ऐसा मणिकांचन योग है जिसकी अनुगूंज बहुत दूर तक जायेगी।

विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया ने कहा कि यह एक सुअवसर है कि गौआधारित अर्थव्यवस्था की शुरुआत हो रही है। एक समय में माननीय मालवीय जी ने विश्वविद्यालय में गौशाला स्थापित करने की शुरुआत की थी। आज भी यह काम विश्वविद्यालय के माध्यम से किया जा रहा है. यह एक महान काम है. आज पूरे विश्व में पैराडाइम शिफ्ट हो रहा है। विश्व के फलक पर भारतीय संस्कृति अपना विस्तार कर रही है. यह पर्यावरण फ्रेंडली की दिशा में बढ़ाया गया एक कदम भी है। गौ संवर्धन की दिशा में आज एक नया अध्याय जुड़ रहा है।

विधायक शैलेन्द्र जैन ने कहा कि विश्वविद्यालय में कामधेनु पीठ की स्थापना गोवंश के संरक्षण की दिशा में एक क्रांतिकारी अकादमिक पहल है. इससे बुंदेलखंड में पारंपरिक रूप से गोवंश के रूप में विद्यमान ज्ञान को प्रयोगात्मक और सैद्धांतिक स्तर पर सब तक पहुंचाने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर कार्यक्रम की नोडल अधिकारी प्रो. अर्चना पाण्डेय ने कामधेनु पीठ के उद्देश्यों एवं भविष्य की योजनाओं की प्रस्तुति देते हुए बताया कि यह पीठ सागर सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों और समग्रता में बुंदेलखंड के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा जिसमें वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन और पशुधन संरक्षण के तौर-तरीकों, गौ पालन के प्रति उच्च शिक्षा से जुड़े हुए युवाओं को आकर्षित करने और शिक्षित करने, प्रकृति और प्राकृतिक चीजों के प्रति लोगों को संजीदा बनाने जैसे व्यापक उद्देश्य के साथ कार्य करते हुए पंचगव्य, गोबर, गौमूत्र आदि पर अनुसंधान किया जाएगा।

महर्षि पतंजलि भवन का हुआ लोकार्पण

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार के पीछे स्थित महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण भी हुआ। इस अवसर पर कामधेनु पीठ स्थापना कार्यक्रम में पधारे गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में भवन का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ. इस अवसर पर योग विभाग के विद्यार्थियों ने योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया. वर्तमान में इस भवन में प्रबंधन अध्ययन विभाग, योग विभाग और संगीत विभाग संचालित हैं।

मंत्रालय और विश्वविद्यालय के बीच हुआ एमओयू इस अवसर पर मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार एवं विश्वविद्यालय के बीच एमओयू भी हुआ। कामधेनु पीठ द्वारा संचालित की जाने वाली गतिविधियों के संबंध में मंत्रालय और विश्वविद्यालय की भूमिका को लेकर समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर हुए. विश्वविद्यालय की ओर से कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने और मंत्रालय प्रतिनिधि संयुक्त सचिव ओ. पी. चौधरी ने समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किये।

कार्यक्रम का संचालन डॉ. आशुतोष ने किया। कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने मंचासीन अतिथियों सहित कार्यक्रम में पधारे लोगों का आभार व्यक्त किया. डॉ राकेश सोनी के नेतृत्व में विद्यार्थियों द्वारा बरेदी नृत्य की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ. कार्यक्रम में सागर के सम्माननीय जनप्रतिनिधि, नागरिक गण, मीडियाकर्मी बंधु और विश्वविद्यालय के सेवानिवृत्त और सेवारत शिक्षक, अधिकारी, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

महर्षि पतंजलि भवन का हुआ लोकार्पण

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार के पीछे स्थित महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण भी हुआ। इस अवसर पर कामधेनु पीठ स्थापना कार्यक्रम में पधारे गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में भवन का लोकार्पण कार्यक्रम संपन्न हुआ. इस अवसर पर योग विभाग के विद्यार्थियों ने योग मुद्राओं का प्रदर्शन किया. वर्तमान में इस भवन में प्रबंधन अध्ययन विभाग, योग विभाग और संगीत विभाग संचालित हैं।

THE NEW INDIAN EXPRESS

Friday, November, 12, 2021 09:57:00 PM

Search

STOCK MARKET BSE 60686.69 ▲ 767.00(1.28%) NSE 18102.75 ▲ 229.15(1.28%)

Like hostel, campus should have a large centre for cows, Union minister advises central university

Union Minister for Fisheries, Animal Husbandry and Dairying, Parshottam Rupala was speaking at a function at Dr. Hari Singh Gour Central University in Sagar.

Published: 12th November 2021 09:11 PM | Last Updated: 12th November 2021 09:11 PM

A+ A A-

Representational Image (Photo | PTI)

By PTI

SAGAR: A large shelter for cows should be established on campus "on the lines of" students' hostel, Union minister Parshottam Rupala told a central university here on Friday.

Traditionally, cattle are a measure of prosperity, the minister for Fisheries, Animal Husbandry and Dairying said at a function at Dr. Hari Singh Gour Central University here.

"As per our country's tradition, prosperity is measured in cattle. It is traditional wealth which can naturally take us to all-round prosperity," he said.

"The university should consider establishing a large center for sheltering cows on the lines of students' hostel," Rupala said.

His ministry will help for such a project, he added.

He lauded the varsity for setting up a `Kamdhenu Adhyayan and Shodh Peeth', and signed an MoU with it on behalf of his ministry to establish a `Kamdhenu Adhyayan and Anusandhan Kendra', a research centre for

"Indian cows have a lot of potential and there is a need to understand it. Unfortunately people have now forgotten their importance," he said.

The function was also addressed by the university's vice-chancellor Prof Neelima Gupta who said the establishment of the Kamdhenu Peeth reflected the "Vocal for Local" initiative.

Latest

- Venkatesh Iyer wants to contribute with bat and ball against NZ, says excited to work with Rahul Dravid
- Retail inflation rises marginally to 4.48 per cent in October
- Privacy of data collected from Sabarimala devotees strictly maintained, Kerala informs HC
- Will Smith reveals his mother caught him having sex as teenager
- Data Protection Bill needs to be cleared soon as data theft is common crime: CDS Bipin Rawat
- Singapore to review time frame on validity of fully vaccinated persons against COVID-19

Trending

- DMK workers attack residents protesting over sewage entering houses, MLA promises action
- 13 Norovirus cases reported in Kerala, govt issues guidelines
- This Indian-American CEO once hired a woman for USD 8 an hour to slap him, here's why!
- AR Rahman's daughter Khatija's animated music video wins global award

Last Updated: 12th November, 2021 21:20 IST

Like Hostel, Campus Should Have A Large Centre For Cows, Union Minister Advises Central University

Like hostel, campus should have a large centre for cows, Union minister advises central university

Written By Press Trust Of India

Sagar (MP), Nov 12 (PTI) A large shelter for cows should be established on campus "on the lines of" students' hostel, Union minister Parshottam Rupala told a central university here on Friday.

View in Hindi: R.भारत
R. REPUBLICWORLD.COM
LIVE TV

The Debate | India News | Arnab Online | T20 World Cup | Web Stories | World News | Entertainment News | Sports News | Te

can naturally take us to all-round prosperity," he said.

"The university should consider establishing a large center for sheltering cows on the lines of students' hostel," Rupala said.

His ministry will help for such a project, he added.

He lauded the varsity for setting up a `Kamdhenu Adhyayan and Shodh Peeth', and signed an MoU with it on behalf of his ministry to establish a `Kamdhenu Adhyayan and Anusandhan Kendra', a research centre for cow-related studies.

"Indian cows have a lot of potential and there is a need to understand it....Unfortunately people have now forgotten their importance," he said.

The function was also addressed by the university's vice chancellor Prof Neelima Gupta who said the establishment of the Kamdhenu Peeth reflected the "Vocal for Local" initiative. PTI

MUST READ

View all

PM's C130 J 'Hercules' landing to inaugurate the Purvanchal Expressway on November 16

Wankhede defamation case: Bombay HC says document submitted by Nawab Malik is...

In Lucknow, Mansukh Mandaviya conducts Har Ghar Dastak drive; motivates Natkur villagers

Foreign Secy Shringla hails NEP 2020, says policy would promote India as 'global educator'

As Norovirus confirmed in Kerala's Wayanad, Health Min Veena George calls for vigilance

Nai Duniya Hindi News Paper **Date 15 Nov 2021 Page No. 02**

यह एक गौरवशाली एवं ऐतिहासिक क्षण है : कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता

गौ-संवर्धन का विशिष्ट वैश्विक केंद्र बने गौर विविः केन्द्रीय मंत्री रुपाला

सागर

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना कार्यक्रम संपन्न हुआ। इस अवसर पर पारम्परिक बुंदेली वाद्ययंत्रों और लोकाचार से अतिथियों का स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि केन्द्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्री परषोत्तम रूपाला ने कहा कि यह गर्व की बात है कि विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन और अनुसंधान केंद्र स्थापित करने के लिए विश्वविद्यालय ने मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के साथ समझौता पत्रक पर हस्ताक्षर किया है. भारतीय गायों की क्षमता अपार है, जरूरत इसे समझने और समझाने की है. दुग्ध उत्पादन, खाद उत्पादन, और विभिन्न औषधीय उपयोगों सहित गायों के महत्व को कई पहलुओं को हम बचपन से जानते हैं। दुर्भाग्य से, समय के साथ हम देशी गौवंश का महत्व भूल गए हैं। श्री रूपाला ने कहा कि भारतीय परम्परा में समृद्धि की गणना गोधन से ही की जाती थी. यह एक पारंपरिक धन है जो हमें स्वाभाविक ढंग से चतुर्दिक समृद्धि की ओर ले जा सकती है. विश्वविद्यालय को चाहिए कि छात्रों के हॉस्टल की ही तर्ज पर गायों के आश्रय के लिए भी एक बड़े केंद्र की स्थापना करे. हमारा मंत्रालय और मैं व्यक्तिगत तौर पर भी इसमें सहयोग करने को तैयार हूँ।

उन्होंने कहा कि गौवंश, गौमूत्र आदि से होने वाली आय पर गौशाला आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकती है, आज का समय ऐसे मॉडल को विकसित और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है. कोरोना संकट की तमाम मुश्किलों के साथ इसने हमें सिखाया है कि स्वस्थ और सुरक्षित रहने के लिए हमें गौमाता की ही शरण में जाना होगा. विश्वविद्यालय इस शरण को एक व्यापक क्रान्ति में बदल सके, ऐसा प्रयत्न इसे करना चाहिए. इसके लिए विश्वविद्यालय कई आयामों और उद्देश्यों के प्रोजेक्ट और वित्त संबंधी प्रस्तावों को मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत करे. मंत्रालय निश्चित रूप से इस योजना में विश्वविद्यालय की मदद करेगा।

कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने कहा कि यह एक गौरवशाली एवं ऐतिहासिक क्षण है जहाँ विश्वविद्यालय अपने अकादमिक सरोकारों के अतिरिक्त सामुदायिक सेवा की अपनी प्रतिबद्धता को संस्थानीकरण करते हुए मूर्त रूप देने जा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की यह नवाचारी पहल 'वोकल फॉर लोकल' से अनुप्राणित है. यह एक ऐसा रास्ता है जिसमें न केवल विश्वविद्यालय बल्कि समाज और राष्ट्र भी आत्मनिर्भर बनने की आयोजना को वास्तविक अर्थों में साकार कर सकेंगे। एक सुखद संयोग है कि डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय मध्यप्रदेश का पहला विश्वविद्यालय है जहां 'कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ' की स्थापना भी इसी विश्वविद्यालय में हो रहा है। उन्होंने कहा कि गो-संवर्धन के क्षेत्र में मंत्रालय की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं को इस पीठ के माध्यम से हमारा विश्वविद्यालय अपने स्तर पर क्रियान्वित कर एक व्यापक सामुदायिक क्रांति में बदलने के लिए संकल्पित है. इसके लिए हमारे पास आधुनिक तकनीकी और सुविधाओं से युक्त प्रयोगशालाएं हैं तो वहीं स्थानीय स्तर पर दयोदय गौशाला जैसा श्रेष्ठ उदाहरण मौजूद हैं। विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया ने कहा कि यह एक सुअवसर है कि गौआधारित अर्थव्यवस्था की शुरुआत हो रही है. एक समय में मालवीय ने विश्वविद्यालय में गौशाला स्थापित करने की शुरुआत की थी. आज भी यह काम विश्वविद्यालय के माध्यम से किया जा रहा है. यह एक महान काम है। विश्व के फलक पर भारतीय संस्कृति अपना विस्तार कर रही है. यह पर्यावरण फ्रेंडली की दिशा में बढ़ाया गया एक कदम भी है. गौ संवर्धन की दिशा में आज एक नया अध्याय जुड़ रहा है। कार्यक्रम के अध्यक्ष गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड, अध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी ने कहा कि मध्य प्रदेश सर्वाधिक गौ प्रेमी और गौ सेवकों का प्रदेश है. मध्य प्रदेश गौ संवर्धन आयोग के साथ मिलकर डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में विश्व की सबसे बड़ी गौशाला स्थापित की जा सकती है. कामधेनु पीठ इस अर्थ में एक शुभ कदम है. मैं विश्वास करता हूँ कि यह पीठ देश का एक प्रतिमान बने जहां गौधन संवर्धन के लिए वैज्ञानिक ढंग से अध्ययन-अध्यापन हो सकेगा।

Patrika Hindi News Paper P03

कामधेनु शोध पीठ का स्थापना कार्यक्रम आज

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ स्थापना कार्यक्रम शुक्रवार सुबह 10.30 बजे आयोजित होगा। स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री मत्स्य पालन पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय परषोत्तम रूपाला होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड मध्य प्रदेश शासन के अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतीलाल जानी, सागर सांसद राजबहादुर सिंह और विधायक शैलेन्द्र जैन मौजूद रहेंगे।

Aacharan Hindi News Paper P03

केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री पुरुषोत्तम रूपाला आज सागर में

आचरण संवाददाता

सागर। डॉक्टर हरीसिंह गौर विवि में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना कार्यक्रम कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से 12 नवंबर को प्रातः 10:30 बजे आयोजित किया जा रहा है। विवि के स्वर्ण जयंती हाल में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय केबिनेट मंत्री मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय भारत सरकार पुरुषोत्तम रूपाला होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड मप्र शासन के अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया विवि के कुलाधिपति प्रो. बलवंत राय शांतिलाल जानी, सांसद राजबहादुर सिंह और विधायक शैलेन्द्र जैन मौजूद रहेंगे।

Dainik Bhaskar Hindi News Paper **Date 12 Nov 2021**

केंद्रीय पशुपालन मंत्री सागर विवि में करेंगे कामधेनु चेयर की स्थापना

सागर | विश्वविद्यालय में शुक्रवार सुबह 10.30 बजे कामधेनु चेयर की स्थापना का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपला होंगे। अध्यक्षता मप्र गौपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड के अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरि करेंगे। स्वामी गिरि इसके बाद रतौना गौशाला में गौसंगोष्ठी एवं गौपाष्टमी के कार्यक्रम में शामिल होंगे। केंद्रीय मंत्री दोपहर 1.15 बजे भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे। इस दौरान विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतीलाल जानी मौजूद रहेंगे।

विवि में महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण आज

सागर | डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में शुक्रवार को महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण भी होगा। कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने बताया कि कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ स्थापना कार्यक्रम के बाद सभी अतिथियों की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण किया जाएगा। वर्तमान में इस भवन में प्रबंधन अध्ययन विभाग, योग विभाग और संगीत विभाग संचालित हैं।

Desh Bandhu Hindi News Paper **Date 11 Nov 2021 Page No. 02**

कुलपति ने किया गौशाला का भ्रमण

सागर, देशबन्धु। डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ आरंभ की जा रही है। इसके संवर्धन हेतु कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने सागर संभाग की सबसे बड़ी व्यवस्थित दयोदय गौशाला का भ्रमण कर वहां की उत्तम कार्यशैली की प्रशंसा की। दयोदय गौशाला के अध्यक्ष वीरेंद्र जैन ने बताया की गौशाला में 2 हजार के लगभग गाय एवं बछड़े हैं जिनकी देखरेख के लिए 38 कर्मचारी सेवारत हैं. गायो के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए यहाँ सभी पारंपरिक एवं प्राकृतिक सुविधाएं दी जा रही है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने विचार संस्था का भ्रमण कर संस्था अध्यक्ष कपिल मलैया द्वारा गोबर से बनी सामग्री का अवलोकन कर उनके सामाजिक कार्य की सराहना की। इन दोनों संस्थाओ ने भविष्य में विश्वविद्यालय के कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया है। इस अवसर पर समाजसेवी संस्थाओ के परिजनों एवं प्रो. अर्चना पांडे, डॉ ललित मोहन ने समन्वय सहयोग प्रदान किया।

विश्वविद्यालय में स्थापित होगा कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ

सागर, देशबन्धु। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना की जा रही है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से पीठ स्थापना कार्यक्रम 12 नवंबर प्रातः 10.30 बजे से आयोजित किया जा रहा है।

विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार परषोत्तम रूपाला होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड,अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो.बलवंतराय शांतीलाल जानी, सांसद राजबहादुर सिंह, और विधायक शैलेन्द्र जैन मौजूद रहेंगे। विश्वविद्यालय के कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने बताया कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ स्थापना कार्यक्रम के सभी अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण भी होगा। वर्तमान में इस भवन में प्रबंधन अध्ययन विभाग, योग विभाग और संगीत विभाग संचालित हैं।

Aacharan Hindi News Paper
Date 11 Nov 2021 P. 03

Dainik Naiduniya Hindi News Paper
Page No. 02

विवि में कामधेनु अध्ययन शोध पीठ की स्थापना 12 को

आचरण प्रतिनिधि

सागर। 12 नवंबर को विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना क पूर्व कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने बुधवार का दयोदय गौशाला का भ्रमण किया। दयोदय गौशाला के अध्यक्ष वीरेन्द्र जैन ने बताया की गौशाला में 2 हजार के लगभग गाय एवं बछड़े हैं जिनकी देखरेख के लिए 38 कर्मचारी सेवारत है। गायों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए यहां सभी पारंपरिक एवं प्राकृतिक सुविधाएं दी जा रही हैं। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के विचार संस्था का भी भ्रमण किया। यहां संस्था के अध्यक्ष कपिल मलैया ने संस्था के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। कुलपति ने दोनों संस्थाओं को भविष्य में विश्वविद्यालय के कामधेनु अध्यययन एवं शोध पीठ से हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया है।

शोध पीठ की स्थापना कार्यक्रम 12 को: डॉक्टर हरीसिंह गौर विवि में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना कार्यक्रम कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से 12 नवंबर को प्रातः 10:30 बजे आयाजित किया जा रहा है। विवि के स्वर्ण जयंती हाल में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय केबिनेट मंत्री मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय भारत सरकार परषोत्तम रूपाला होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड मप्र शासन के अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानंद गिरी करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया विवि के कुलाधिपति प्रो. बलवंत राय शांतिलाल जानी, सांसद राजबहादुर सिंह और विधायक शैलेन्द्र जैन मौजूद रहेंगे।

कामधेनु चेयर की स्थापना आज

सागर| डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में गुरुवार सुबह 10.30 बजे कामधेनु चेयर की स्थापना का कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री पुरुषोत्तम रूपला होंगे। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में मप्र गौपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड के अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानंदजी गिरि भी मौजूद रहेंगे। स्वामी गिरि इसके बाद रतौना गौशाला में गौसंगोष्ठी एवं गौपाष्टमी के कार्यक्रम में शामिल होंगे। वहीं केंद्रीय मंत्री दोपहर 1.15 बजे भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगे। रतौना में कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर कुलपति नीलिमा गुप्ता ने दयोदय गौशाला का भी भम्रण किया। इस अवसर पर प्रो. अर्चना पांडे, प्रो. ललित मोहन, गौशाला अध्यक्ष वीरेंद्र मालथौन, प्रबंधक देवेंद्र घोषी आदि मौजूद थे।

Nav Bharat Hindi News Paper **Date 11 Nov 2021 Page No. 03**

गोबर से बनी सामग्री का अवलोकन किया

सागर. डॉ हरीसिंह गौर विवि की कुलपति प्रो नीलिमा गुप्ता ने विचार संस्था का भ्रमण कर संस्था अध्यक्ष कपिल मलैया द्वारा गोबर से बनी सामग्री का अवलोकन कर उनके सामाजिक कार्य की सराहना की. इन दोनों संस्थाओ ने भविष्य में विव्रि के कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ को हर संभव सहयोग देने का आश्वासन दिया है. इस अवसर पर प्रो. अर्चना पांडे, डॉ ललित मोहन मौजूद रहे.

गौशाला का निरीक्षण किया कुलपति ने

सागर. डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ आरंभ की जा रही है. इसके संवर्धन हेतु कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दयोदय गौशाला का भ्रमण कर वहां की उत्तम कार्यशैली की प्रशंसा की.

अध्यक्ष वीरेंद्र जैन ने बताया कि गौशाला में 2 हजार के लगभग गाय एवं बछड़े हैं जिनकी देखरेख के लिए 38 कर्मचारी सेवारत हैं. गायो के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए यहाँ सभी पारंपरिक एवं प्राकृतिक सुविधाएँ दी जा रही है.

Dainik Bhaskar Hindi News Paper Date 11 Nov 2021

केंद्रीय पशुपालन मंत्री रूपला कल आयेंगे

सागर. केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री परषोत्तम रूपला 12 नवंबर को सागर आएंगे. श्री रूपला दिल्ली से 11 नवम्बर को प्रस्थान कर 12 नवंबर को प्रात: सागर पहुंचेंगे. श्री रूपला यहां डॉ हरिसिंह गौर विवि में प्रात: 10.30 बजे कामधेनु चेयर स्थापना के कार्यक्रम में भाग लेंगे.

विवि में महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण आज

सागर| डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में गुरुवार को महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण भी होगा। कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने बताया कि कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ स्थापना कार्यक्रम के बाद सभी अतिथियों की उपस्थिति में विश्वविद्यालय के महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण किया जाएगा। वर्तमान में इस भवन में प्रबंधन अध्ययन विभाग, योग विभाग और संगीत विभाग संचालित हैं।

कल केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री कार्यक्रम में होंगे शामिल

कामधेनु पीठ : पंचगव्य, गोबर, गौमूत्र पर किया जाएगा अनुसंधान

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

सागर. डॉ. हरिसिंह गौर विश्वविद्यालयए में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना की जा रही है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से पीठ स्थापना कार्यक्रम 12 नवंबर की सुबह 10.30 बजे आयोजित होगा।

स्वर्ण जयंती सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री मत्स्य पालन पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय पुरषोत्तम रूपाला होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड मध्य प्रदेश शासन के अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी करेंगे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया, विश्वविद्यालय के कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतीलाल जानी, सागर सांसद राजबहादुर सिंह और विधायक शैलेन्द्र जैन मौजूद रहेंगे।

यह होगा फायदा

नोडल अधिकारी प्रो. अर्चना पाण्डेय ने बताया कि कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ को वृहद् उद्देश्यों के साथ स्थापित किया जा रहा है। यह पीठ सागर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों और समग्रता में बुंदेलखंड के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके उद्देश्यों में वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन और पशुधन संरक्षण के तौर तरीकों, गौ पालन के प्रति उच्च शिक्षा से जुड़े हुए युवाओं को आकर्षित करने और प्राकृतिक चीजों के प्रति लोगों को संजीदा बनाने जैसे व्यापक उद्देश्य शामिल हैं। साथ ही पंचगव्य, गोबर, गौमूत्र आदि पर अनुसंधान एवं इसकी स्थिरता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

गौशाला का किया भ्रमण

सागर. डॉ हरिसिंह गौर विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ आरंभ की जा रही है। इसके संवर्धन के लिए कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता ने दयोदय गौशाला का जायजा लिया। अध्यक्ष वीरेंदर जैन ने बताया की गौशाला में 2 हजार के लगभग गाय एवं बछड़े हैं, जिनकी देखरेख के लिए 38 कर्मचारी सेवारत हैं। गायो के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए यहां सभी पारंपरिक एवं प्राकृतिक सुविधाएं दी जा रही है।

Dainik Jagran Hindi News Paper Date 11 Nov 2021 Ext Page No. 02

विवि में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना होगी

जागरण न्यूज, सागर

केन्द्रीय मंत्री परषोत्तम रूपाला होंगे मुख्य अतिथि

जागरण, सागर। डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय में कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ की स्थापना की जा रही है। कुलपति प्रो. नीलिमा गुप्ता के नेतृत्व में मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से पीठ स्थापना कार्यक्रम 12 नवंबर सुबह 10.30 बजे से आयोजित किया जा रहा है। विश्वविद्यालय के स्वर्ण जयन्ती सभागार में आयोजित इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केन्द्रीय कैबिनेट मंत्री, मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय भारत सरकार परषोत्तम रूपाला होंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता गोपालन एवं पशुधन संवर्धन बोर्ड, मध्यप्रदेश शासन के अध्यक्ष स्वामी अखिलेश्वरानन्द गिरी करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के पूर्व अध्यक्ष एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री डॉ. वल्लभभाई कथीरिया, कुलाधिपति प्रो. बलवंतराय शांतीलाल जानी, सांसद राजबहादुर सिंह, विधायक शैलेन्द्र जैन मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम की नोडल अधिकारी प्रो. अर्चना पाण्डेय ने आयोजन की जानकारी देते हुए बताया कि कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ को वृहद् उद्देश्यों के साथ स्थापित किया जा रहा है। मत्स्य पालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से स्थापित होने जा रही यह पीठ सागर सहित आस-पास के ग्रामीण क्षेत्रों और समग्रता में बुंदेलखंड के विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसके उद्देश्यों में वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन और पशुधन संरक्षण के तौर-तरीकों, गौ पालन के प्रति उच्च शिक्षा से जुड़े हुए युवाओं को आकर्षित करने और शिक्षित करने, प्रकृति और प्राकृतिक चीजों के प्रति लोगों को संजीदा बनाने जैसे व्यापक उद्देश्य शामिल हैं। साथ ही पंचगव्य, गोबर, गौमूत्र आदि पर अनुसंधान एवं इसकी स्थिरता बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा। हमारी युवा पीढ़ी और महिलाएं जो लगातार गौ सेवा कर रहे हैं। उनके लिए पीठ के माध्यम से जागरूकता अभियान कार्यक्रम भी संचालित किये जाएंगे। वार्ता, निबंध, कार्यशाला, प्रदर्शनी, संगोष्ठी, शोध एवं शोधवृत्ति, अल्पावधि एवं पूर्णकालिक सर्टिफिकेट और डिप्लोमा पाठ्यक्रमों एवं अन्य अकादमिक गतिविधियों के माध्यम से नई पीढ़ी को गौ आधारित आर्थिकी में उद्यमिता और रोजगार के अवसर को उपलब्ध कराने का कार्य किया जाएगा। अन्य कई गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय कामधेनु आयोग के उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए देशी गाय के वैज्ञानिक, आर्थिक, पर्यावरणीय और अध्यात्मिक महत्व से लोगों को अवगत कराया जाएगा। गांवों की महिलाओं और युवाओं में उद्यमिता विकास के माध्यम से उनकी आर्थिक संबलता के दृष्टिकोण से भी यह पीठ काफी महत्वपूर्ण साबित होगा।

महर्षि पतंजलि भवन का होगा लोकार्पण

विश्वविद्यालय के कुलसचिव संतोष सोहगौरा ने बताया कि कामधेनु अध्ययन एवं शोध पीठ स्थापना कार्यक्रम के बाद सभी अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति में विश्वविद्यालय के महर्षि पतंजलि भवन का लोकार्पण भी होगा। वर्तमान में इस भवन में प्रबंधन अध्ययन विभाग, योग विभाग और संगीत विभाग संचालित हैं।

Links of Digital Media

https://navbharattimes.indiatimes.com/state/madhya-pradesh/sagar/hostels-for-cows-will-be-opened-in-hari-singh-gaur-university-sagar-union-minister-purushottam-rupala-gave-suggestions/videoshow/87668537.cms

https://youtu.be/3SxkxaPX0E8

https://www.sagartvnews.com/news_only.php?newsidget=8799

https://youtu.be/JUqDD9ak7o8

https://www.facebook.com/106558305151154/posts/119897863817198/?sfnsn=wiwspwa

https://www.teenbattinews.com/2021/11/blog-post_12.html

https://twitter.com/MediaOfficer3/status/1459182394456489986?s=20

https://t.co/SorQCQveFL

https://twitter.com/MediaOfficer3/status/1459188346693959683?s=20

https://www.facebook.com/153808061303123/posts/6286601528023715/

http://www.univarta.com/news/madhya-pradesh-chhattisgarh/story/2561433.html#.YY6cqLoCbCU.whatsapp

https://www.facebook.com/106558305151154/posts/120211610452490/?sfnsn=wiwspwa

https://www.hindustantimes.com/cities/bhopal-news/set-up-cow-hostel-minister-tells-mp-university-that-starts-cow-research-centre-101636730024544.html?utm_source=whatsapp&utm_medium=social&utm_campaign=ht_site

https://m.facebook.com/story.php?story_fbid=4732304976830994&id=100001546157055

https://youtu.be/5nbHbJDtmGs

https://bharatbhvh.com/first-kamdhenu-study-center-and-research-center-of-government-of-india-at-sir-harisingh-gour-university/

https://www.facebook.com/106558305151154/posts/119897863817198/?sfnsn=wiwspwa